December I 2013

मूल्य ♦ दस रुपए

बालहंस

Every Fortnight

- आई आई अब तेरी बारी
- राजकुमार और जादुई घोड़ा
- नॉलेज बैंक
- तथ्य निराले
- सबके हित में
- गैलापैगोस द्वीप
- नए जमाने की एबीसीडी
- लोकतंत्र की जीत

राजस्थान पत्रिका प्रकाशन

वर्ष- 28 अंक- 10
1-15 दिसम्बर, 2013 पृष्ठ- 68

ब्लेक बैल्ट

सारे वाहनों को अच्छी तरह चैक करना....
POLICE
देखो वो गाड़ी तेजी से निकल रही है, पीछा करो...
तुमने सीट बैल्ट नहीं बांध रखी है?
सीट बैल्ट!! नहीं जी, मैं तो कराटे में ब्लेक बैल्ट हूं...
इह!! तब तो अपनों की निकल भागने में ही भलाई है...!
J.B.C.

वर्ष- 28 **अंक-** 10
मार्गशीर्ष कृष्ण-शुक्ल
विक्रम संवत् 2070

दिसम्बर (प्रथम) 2013, जयपुर

विविध

कविताएं- 10-11
नए जमाने की एबीसीडी- 12-13
बालहंस न्यूज- 15
सैरसपाटा- 16-17
बोलें अंग्रेजी- 21
गुदगुदी- 22-23
सामान्य ज्ञान- 42-43
तथ्य निराले- 44
नॉलेज बैंक- 45
बालमंच- 46
सीख-सुहानी- 48
कमाल है/बूझो तो... - 49
अंतर बताओ- 50
आर्ट एंड क्राफ्ट- 51
बिंदु से बिंदु- 52
किड्स क्लब- 54-55
गैलापैगोस द्वीप- 56-57
ढूंढो तो...- 61
कैसा लगा- 66

कहानियां

लोकतंत्र की जीत- 5
सबके हित में- 6-7
आई-आई अब तेरी बारी- 8-9

प्रतियोगिताएं

प्रतियोगिता परिणाम- 58
ज्ञान प्रतियोगिता- 59
रंग दे प्रतियोगिता- 60

चित्रकथा

साइलेंट कार्टून- 14
राजकुमार और जादुई घोड़ा- (समापन भाग)- 24-41
ई-मैन- 62-65

संपादक
आनन्द प्रकाश जोशी

उप संपादक
मनीष कुमार चौधरी

संपादकीय सहयोग
किशन शर्मा

चित्रांकन
प्रतिमा सिंह

पृष्ठ सज्जा: **शेरसिंह**

संपादकीय सम्पर्क

बालहंस (पाक्षिक)
राजस्थान पत्रिका प्रकाशन,
5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,
जयपुर (राजस्थान) पिन-302 004
दूरभाष: 0141-3005857
e-mail: balhans@epatrika.com

ग्राहक शुल्क

कृपया ग्राहक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की राशि बैंक ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से **बालहंस, जयपुर** के नाम भिजवाएं।
वार्षिक- 240/-रुपए,
अर्द्धवार्षिक- 120/-रुपए

सब्सक्रिप्शन एवं वितरण संबंधी जानकारी के लिए 0141-3005825 पर संपर्क करें।

संपादकीय

दोस्तो,

बात समय की करते हैं। समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है। अक्सर इधर-उधर कहीं न कहीं, किसी न किसी से ये सुनने को मिलता है कि क्या करें समय ही नहीं मिलता। समय जैसी मूल्यवान संपदा का भंडार होते हुए भी हम हमेशा उसकी कमी का रोना रोते रहते हैं, क्योंकि हम इस अमूल्य समय को बिना सोचे-समझे खर्च कर देते हैं। एक बार हाथ से निकला हुआ समय कभी वापस नहीं आता। सच ही तो है मित्रो, किसी भी काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, क्योंकि आज का कल पर और कल का काम परसों पर टालने से काम अधिक हो जायेगा। बासी काम, बासी भोजन की तरह अरुचिकर हो जायेगा। नेपोलियन ने आस्ट्रिया को इसलिए हरा दिया कि वहां के सैनिकों ने पांच मिनट का विलंब कर दिया था, लेकिन वहीं कुछ ही मिनटों में नेपोलियन बंदी बना लिया गया, क्योंकि उसका एक सेनापति कुछ विलंब से आया। वाटरलू के युद्ध में नेपोलियन की पराजय का सबसे बड़ा कारण समय की अवहेलना ही थी। कहते हैं, खोई दौलत फिर भी कमाई जा सकती है, भूली विद्या पुनः पाई जा सकती है, किन्तु खोया हुआ समय वापस नहीं लाया जा सकता, सिर्फ पश्चाताप ही शेष रह जाता है। हम समय की कद्र करेंगे तो वह हमारी जिंदगी संवार देगा।

तुम्हारा बालहंस

लोकतंत्र की जीत

कहानी

सुंदर वन में आम चुनावों की तैयारी बड़े जोर-शोर से चल रही थी। वहां के निवासियों में चुनावों को लेकर बड़ा उत्साह था। वे सब अच्छी तरह से जानते थे कि राजतंत्र समाप्त करने का यही सबसे अच्छा मौका है। सभी को वोट डालने का अधिकार है। सारे वन में चुनावों का प्रचार-प्रसार बड़े शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा था। क्रूरसिंह के साथी अपने उ□मीदवार को जिताने के लिए कच्ची बस्ती में चुनाव प्रचार कर रहे थे। वे अच्छी तरह से जानते थे कि इस बार क्रूरसिंह को ट□कर देने के लिए गजराज हाथी चुनाव मैदान में उतरा है। वे सब मिलकर गरीबों को नोट और मदिरा बांट रहे थे। बस्ती के कुछ मतदाताओं ने उनका विरोध किया तो उनको डराने व धमकाने लगे। गजराज हाथी को जब यह खबर लगी तो उसने चुनाव आयोग से इस बात की शिकायत कर दी।

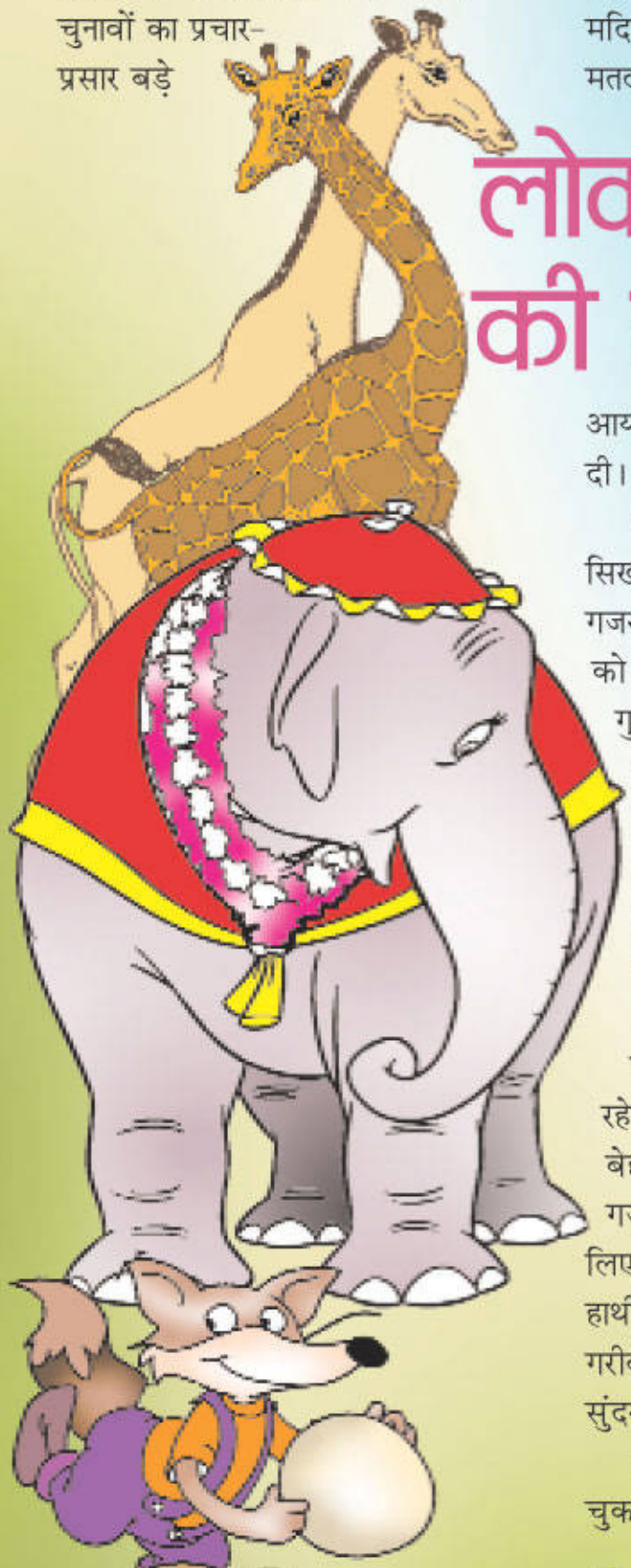

क्रूरसिंह ने गजराज हाथी को सबक सिखाने की ठान ली। एक दिन जब गजराज हाथी एक स्थान पर चुनावी सभा को स□बोधित कर रहा था, तभी कुछ गुण्डों ने उस पर हमला बोल दिया। इस हमले में गजराज और उसके कई समर्थक घायल हो गए। उन्हें तुरंत सुंदर वन के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

यह खबर सारे वन में आग की तरह फैल गयी। सभी आपस में कह रहे थे कि यह घटना लोकतंत्र के लिए बेहद निंदनीय है। सभी मतदाता गजराज हाथी का हाल-चाल पूछने के लिए अस्पताल में जा पहुंचे। गजराज हाथी एक सच्चा समाज सेवक और गरीबों का मसीहा था। उसके साथ सारा सुंदर वन था।

क्रूरसिंह अपनी योजना में विफल हो चुका था। उसका असली चेहरा सबके सामने आ चुका था। वह लोकतंत्र में दादागिरी के बल पर चुनाव जीतना चाहता था।

चुनाव का दिन आ चुका था। सुबह आठ बजे से ही सुंदर वन में चहल-पहल शुरू हो गई। क्रूरसिंह ने मतदाताओं को पोलिंग बूथ पर पहुंचाने के लिए कई गाड़ियां लगा रखी थीं। परन्तु उसकी इस चाल को सब समझ चुके थे। मतदाता पैदल ही अपने-अपने घरों से निकल पड़े। क्रूरसिंह की गाड़ियों में बस उसके अमचे-चमचे ही आ-जा रहे थे।

ज्यों-ज्यों दिन गुजर रहा था, पोलिंग बूथों पर जागरूक मतदाताओं की भीड़ बढ़ती जा रही थी। शाम होते-होते लगभग अस्सी से न□बे प्रतिशत पोलिंग हो चुकी थी। पांच बजते ही मतदान बंद हो गया। क्रूरसिंह और गजराज हाथी की किस्मत मत-पेटियों में बंद हो चुकी थी।

दूसरे दिन मतगणना का कार्य प्रार□भ हुआ। दोनों उ□मीदवारों के समर्थक परिणाम घोषित होने का इन्तजार कर रहे थे। थोड़ी ही देर बाद चुनाव अधिकारी ने लाउडस्पीकर के माध्यम से सूचना दी कि लगभग पचास हजार वोटों से गजराज हाथी की भारी विजय हुई है। यह सुनते ही चारों ओर ढोल-नगाड़े बजने लगे। गजराज हाथी को फूल-मालाओं से उसके समर्थकों ने लाद दिया। 'गजराज हाथी जिन्दाबाद' के नारे लगने लगे। विजय जुलूस निकाला गया। क्रूरसिंह अपने साथियों के साथ चुपचाप निकल गया।

वर्षों बाद सुंदर वन में लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव स□पन्न हुए और पीढ़ी दर पीढ़ी से चली आ रही क्रूरसिंह के परिवार की तानाशाही खत्म हो गई। अब

सबके हित में...

आज रौनक के स्कूल की छुट्टी थी। उसने म□मी से पूछा , 'म□मी मैं गौरव के यहां खेलने जाऊं ?'

'हां बेटा जाओ, पर अंधेरा होने से पहले लौट आना,' म□मी ने कहा।

'ठीक है म□मी मैं समय पर आ जाऊंगा।' कहकर रौनक गौरव के घर की ओर चल पड़ा।

थोड़ी दूर चलने पर उसने देखा, दीनू काका एक हरे-भरे पेड़ को काट रहे थे। रौनक रुका और बोला, 'दीनू काका आप इस पेड़ को □यों काट रहे हो! ऊपर तो चिड़िया का घोंसला भी है। आप पेड़ को काटोगे तो उसका घर भी उजड़ जाएगा। मेरी टीचर कहती है कि हमें पेड़ों को नहीं काटना चाहिए और जीवों पर भी दया करनी चाहिए।'

नन्हें से रौनक की समझदारी भरी बातें सुनकर दीनू काका के हाथ रुक गए और वे बोले, 'बेटा तुम बिल्कुल सही कहते हो। मुझ अनपढ़ को पाप करने से बचा लिया। सच में जीव हत्या और पेड़ काटना किसी पाप से कम नहीं है।' कहकर दीनू काका सूखी लकड़ियां ढूंढने निकल पड़े।

रौनक कुछ और आगे चला तो उसने देखा, पानी की एक टंकी के पास रजनी मौसी कपड़े धो रही थी। नल खुला था और नीचे रखी बाल्टी भर चुकी थी। बहुत सारा पानी बहकर सड़क पर आ रहा था।

'रजनी मौसी जल तो जीवन है, अगर ये ही नहीं रहा तो हम पीयेंगे □या! मेरी टीचर कहती है कि हमें व्यर्थ पानी नहीं बहाना चाहिए।' रौनक ने कहा।

'तू ठीक कहता है बेटा, आगे से मैं □याल रखूंगी,' नल को बंद करते हुए रजनी मौसी ने कहा।

रौनक कुछ और दूरी तक चला तो उसने देखा शिल्पा दीदी घर की सफाई से निकला कचरा सड़क पर फेंक रही थी। यह देख रौनक को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वह रुका और बोला, 'शिल्पा दीदी मेरी टीचर कहती है कि हम जिस तरह अपने घर को साफ रखते हैं उसी तरह हमें अपनी गली, मोहल्ले, शहर और देश को भी स्वच्छ और सुन्दर रखना चाहिए। इससे हमें बीमारियां भी नहीं होगी और हम देश के अच्छे नागरिक भी कहलायेंगे।' रौनक की हितकारी बातें सुन शिल्पा को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने सड़क से कचरा उठा कर कुछ ही दूरी पर रखे कूड़ेदान में डाल दिया।

कुछ देर में रौनक अपने दोस्त गौरव के घर पहुंच गया। गौरव वहां नहीं था।

कहानी

गौरव की म□मी रसोईघर में खाना बना रही थी। रौनक ने देखा कि एक कमरे में लाइट और पंखा चल रहा था और वहां कोई नहीं था।

रौनक रसोईघर में गया और बोला, 'आंटी, पास वाले कमरे में लाइट और पंखा चल रहा है। मेरी टीचर कहती है कि हमें बिजली व्यर्थ नहीं जलानी चाहिए वरना एक दिन ऐसा आएगा जब हमें फिर से अंधेरे में रहना पड़ेगा।'

रौनक की समझदारी भरी मीठी-मीठी बातें सुनकर रोली आंटी कमरे में गयी और लाइट-पंखा बंद कर दिया। फिर रौनक के सिर पर प्यार से हाथ फेरकर बोली, 'बेटा तु□हारी टीचर बिल्कुल सही कहती है। मैं आगे से □याल रखूंगी। तुम छत पर जाओ, गौरव वहां तु□हारा इंतजार कर रहा है।' रौनक छत पर गया और दोनों दोस्त खेलने लगे।

–मोनिका जैन

22 साल के हुए सर्च इंजन

सर्च इंजनों के इस्तेमाल को 22 साल हो गए हैं। पहला इंटरनेट सर्च इंजन 'आर्ची' था, जिसे वर्ष 1990 में एलन एमटेज नामक छात्र ने विकसित किया था। आर्ची के आगमन के समय 'वर्ल्ड वाइड वेब' का नामो-निशान भी नहीं था। चूंकि उस समय वेब पेज जैसी कोई चीज नहीं थी, इसलिए आर्ची एफटीपी सर्वरों में मौजूद सामग्री को इन्डेक्स कर उसकी सूची उपलब्ध कराता था।

'आर्ची' इसी नाम वाली प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप से कोई संबंध नहीं है। यह नाम अंग्रेजी के 'आर्काइव' शब्द से लिया गया था, जिसका अर्थ है क्रमानुसार सहेजी हुई सूचनाएं। आर्ची के बाद मार्क मैककैहिल का 'गोफर' (1991), 'वेरोनिका' और 'जगहेड' आए।

वर्ष 1997 में आया 'गूगल' जो सबसे सफल और सबसे विशाल सर्च इंजन माना जाता है। 'याहू' 'बिंग' (पिछला नाम एमएसएन सर्च), एक्साइट, लाइकोस, अल्टा विस्टा, गो, इंकटोमी आदि सर्च इंजन भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

आई-आई अब तेरी बारी

कहानी

एक था पीदना। कद्दू जैसा सिर, बटन जैसी आंखें। ककड़ी जैसे हाथ और लौकी जैसे पैर। कुल मिलाकर आम लोगों से बिल्कुल अलग। इसलिए अच्छा-खासा नाम मुस्कुराहट सिंह होते हुए भी इसे सबने पीदना कहना शुरू कर दिया, और उसकी पत्नी को पीदनी।

पीदना की बातें बड़ी मनमोहक थीं, इसलिए अ□सर लोग उसका साथ ढूंढते थे। उसके पास सबको हंसाने की अद्भुत कला थी। वह सबको खूब हंसाता था। इसलिए सब उसके मित्र थे और जब भी उस पर कोई मुसीबत पड़ती तो सब उसकी मदद भी करते थे।

एक बार राजा की सवारी उसके गांव से गुजरी। सारे गांव वाले राजा के स्वागत के लिए एकत्र हो गये। राजा को देखने का सबमें बहुत उत्साह था। सो पीदना भी सबके साथ पहुंच गया। □योंकि पीदना का कद छोटा था, इसलिए उसे सबसे आगे खड़ा कर दिया। पीदना देखने में अटपटा लगता था, इसलिए राजा की नजर उस पर पड़ी तो राजा स्वयं को उससे बातें करने से रोक नहीं सका। राजा की बातों का जो उसने उ□ार दिया तो राजा को हंसी आ गई।

राजा ने उसे आज्ञा दी कि आज से तुम हमारे महल में हमारे साथ रहोगे और हमारा मनोरंजन करोगे।

'महाराज, मेरी पत्नी भी है, जिसे सब पीदनी कहते हैं,' पीदने ने राजा से कहा। राजा ने पीदनी को भी साथ ले आने की आज्ञा दे दी। अब पीदना और उसकी पत्नी पीदनी राजा के साथ महल में चले गये। वहां वे दोनों बड़े मजे से महल में रहने लगे। वो राजा का मनोरंजन करता। जब-जब राजा उदास होता या तनाव में दुखी होता तो पीदना अपनी श□ल और बातों से राजा को हंसाता।

राजा ने अपने महल में अपनी रानी के लिए एक फूलों की वाटिका बनवा रखी थी। जिसमें रानी के अतिरि□त राजा ही जा सकता था, कोई अन्य नहीं। पीदना भी यह बात जानता था।

लेकिन एक दिन पीदना अपनी पीदनी को लेकर उस वाटिका में चला गया। पीदनी को वहां खिले गुलाब के फूल बहुत सुंदर लगे। उसने पीदना से कहा कि वो गुलाब के फूल तोड़ेगी।

हालांकि पीदना ने मना किया, परन्तु पीदनी ने फूल तोड़ लिये। उसी समय राजा रानी के साथ वाटिका में पहुंच गया। रानी यह देखकर गुस्से से आगबबूला हो गई और राजा को भी पीदना पर बहुत गुस्सा आया। राजा ने आज्ञा दी कि पीदना तुरंत महल छोड़ दे और पीदनी को जेल में डाल दिया जाए।

राजा की आज्ञा का पालन हुआ। पीदनी को जेल में डाल दिया और पीदना वापस अपने गांव आ गया। लेकिन पीदना अपनी पीदनी को जेल में कैसे छोड़ता, सो उसने अपनी फौज बनानी शुरू की।

सबसे पहले उसने एक सरकंडे की गाड़ी बनाई। वो गाड़ी लेकर निकला ही था कि उसे चींटी मिली। चींटी ने पूछा, 'पीदना भाई कहां जा रहे हो?' पीदना ने सारी बात चींटी को बताई। चींटी ने कहा, '□या मैं भी तु□हारे साथ चल सकती हूं।' 'हां...हां...□यों नहीं। आ जाओ इस गाड़ी में बैठ जाओ।' आगे चलने पर उसे चूहा मिला। चूहे ने पूछा, 'सरकंडे की गाड़ी लेकर कहां चले।' उसने चूहे को भी सारी बात बताई और कहा, 'राजा की जेल से अपनी पीदनी को छुड़ाने जा रहा हूं, □या तुम मेरे साथ

'हां...हां...□यों नहीं अपने और साथियों को भी ले लेता हूं,' पीदने ने कहा।

'तो बैठो गाड़ी में।'

आगे उसे आग मिली। आग ने पूछा, 'सरकंडे की ये गाड़ी लेकर कहां जा रहे हो?' सारी बात बताने पर आग ने पूछा, 'मैं भी तु□हारे साथ चलूं।'

'नेकी और पूछ-पूछ।'

'लेकिन मैं तु□हें कैसे लेकर जाऊं,' पीदना ने पूछा?

आग ने कहा, 'तुम मुझे डिबिया में बंद करके ले जा सकते हो।' पीदना ने आग को एक डिबिया में बंद करके गाड़ी में रख दिया। पीदना की गाड़ी नदी किनारे जा रही थी। तभी नदी ने आवाज दी।

'पीदना भाई कहां जा रहे हो?' पीदना ने उसे भी बताया कि राजा से अपनी पीदनी छुड़वाने जा रहा हूं।

'ठहरो मैं भी तु□हारे साथ चलती हूं,' नदी ने कहा।

'पर तुम मुझे कैसे ले जाओगे,' नदी ने पूछा।

पीदना ने कहा, 'तुम मेरे कान में भर जाओ।' देखते ही देखते पीदना की फौज तैयार हो गई। पीदना ने कबूतर से संदेश भिजवाया कि राजा को जाकर खबर देना कि पीदना अपनी फौज लेकर राजा से युद्ध करने आ रहा है। राजा ये संदेश सुनकर हंसने लगा। उसने अपने कुछ सैनिक हाथियों पर सवार करके महल की ड्योढ़ी पर खड़े कर दिये। पीदना पहुंचा महल के फाटक पर, तो सैनिकों ने रास्ता रोका।

उसी समय पीदना ने कहा, 'चींटी निकल बाहर तेरी बारी आई।' चींटी गाड़ी से बाहर निकली और हाथियों की सूंड में घुस गई। हाथी सब भूल गए और अपनी सूंड को फटकारने लगे। वे पागल से हो गये और वहां से भाग चले। तब तक चूहा निकल कर जेल तक पहुंच गया और उसने जेल का ताला काट दिया। अब कुछ सैनिक तलवारें लेकर आगे आए।

पीदना ने डिबिया खोली और धीरे से कहा, 'आग-आग अब तेरी बारी आई।' आग चारों ओर फैलने लगी। सारे सैनिक आग के डर से पीछे हटने लगे और पीदना महल में राजा के पास पहुंच गया।

राजा से कहा, 'आप मेरी पीदनी मुझे लौटा दो।' राजा हंसने लगा। भला मेरी फौज के सामने तेरी □या बिसात। पीदना ने कहा, 'ठीक से तो देखो मेरी फौज के भी कमाल।' और उसने नदी से कहा, 'नदी-नदी कान से बाहर निकल, अब आई तेरी बारी।' नदी बाहर निकली और उसने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया। नदी का पानी चारों तरफ फैल गया। महल की सब चीजें डूबने लगीं। चारों ओर हाहाकार मच गया। सब अपनी-अपनी जान बचाने में और खुद को संभालने में लग गये और बचाओ-बचाओ का शोर चहुंओर गूंजने लगा। राजा भी घबरा गया। राजा ने पीदना से कहा, 'इस नदी को रोको, मैं तु□हारी पीदनी को अभी आजाद करता हूं।' और राजा ने पीदनी को लाने का आदेश दिया।

पीदना ने अपनी पीदनी को गाड़ी में बैठने को कहा, और आग को डिबिया में वापस आने को। उसने अपनी सारी फौज ली और अपने गांव वापस जाने लगा। लेकिन राजा हैरान-परेशान था कि वाकई उसकी छोटी-सी फौज ने कमाल कर दिया। राजा रानी से पूछ रहा था कि □या मैंने कोई सपना देखा था।

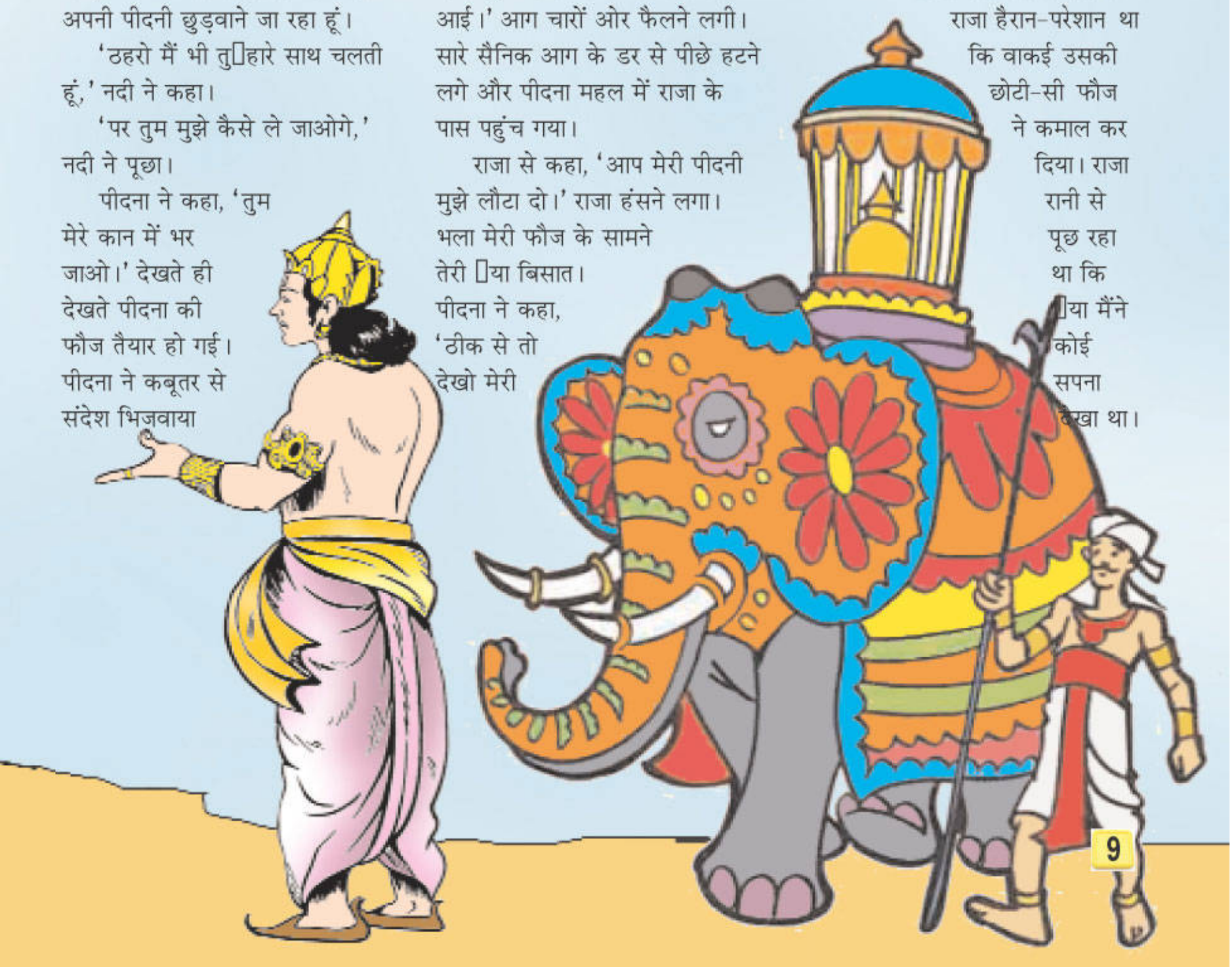

पेटम पूजा

बहुत हो गई पेटम-पूजा
मम्मी-रानी, मम्मी-रानी
मुझको दे दो चाट-पकौड़ी,
लेकिन इतना ध्यान रहे बस
जरा मिर्च हो इनमें थोड़ी।
मम्मी-रानी, मम्मी रानी
मुझको दे दो काजू-कतली,
लम्बाई में हो यह ज्यादा
मोटाई में चाहे पतली।
मम्मी-रानी, मम्मी-रानी
मुझको दे दो गिरी-बादाम,
जाड़ा मुझको नहीं सताये
ऐसा कर दो अनूठा काम।
मम्मी-रानी, मम्मी-रानी
मुझको करनी अभी पढ़ाई,
बहुत हो गई पेटम-पूजा
पढ़ने में है छिपी भलाई।

–राजेन्द्र निशेश

हंसो सदा

हंसो जोर से हा हा हा...
रोग सभी होंगे स्वाहा।
रोग मिटे, हट जाए बला
हंसना बच्चों एक कला।
सैर करो, जंगल में जाओ
जीभर कर हंस हंस कर आओ।
हंसने से तो सुख मिलता है
मुझिया चेहरा खिलता है।
जो बच्चा हरदम रोता है
वह अपने सपने खोता है।

सबके चहेते साबूजी

आबू जी-बाबू जी
सबको प्यारे साबूजी।
बदन-बनाया इस्पाती
भारी भरकम बाजू जी।
कई किलो बादाम पचाते
उन्हें पसंद हैं काजू जी।
वजन तौलने जाएं तो
डर जाए तराजू जी।
उनके सर की चम्पी करते
गंगापुर के राजू जी।
रोज बदन की मालिश करते
बैंगलोर के कालू जी।
हैं उस्ताद अखाड़े के
शागिर्दों के चाचू जी
आबू जी, बाबू जी
सबके चहेते, साबूजी।

रुखा सूखा मिले वो खाओ
लेकिन हंसकर उसे पचाओ।
बात बात में गुस्सा छोड़ो
खुदको मुस्कानों से जोड़ो।

व्यर्थ किसी को नहीं सताओ
दुखियारों को गले लगाओ।
हंसो स्वयं और सबको हंसाओ
दुश्मन को भी अपना बनाओ।

–वीरेन्द्र जैन

नए जमाने की

A	a — apple APPLE
B	b — bluetooth BLUETOOTH
C	c — chat CHAT
G	g — google GOOGLE
H	h — harddisk HARDDISK
I	i — internet INTERNET
J	j — java JAVA
O	o — orkut ORKUT
P	p — pendrive PENDRIVE
Q	q — quicktime player QUICKTIME PLAYER
R	r — ram RAM
W	w — wi-fi WI-FI
X	x — xp XP

1 इंटरनेट का मिनट

आज इंटरनेट हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। कुछ ढूंढना हो तो इंटरनेट, मनोरंजन करना हो तो इंटरनेट, दूर बैठे चहेतों या दोस्तों से गपशप करनी हो तो इंटरनेट। आपने भी घंटों इंटरनेट पर वक्त गुजारा होगा, लेकिन शायद ही कभी आपके मन में यह सवाल आया हो कि इंटरनेट का एक मिनट कैसा होता होगा।

डाटा व ई-मेल

जिदंगी का अहम हिस्सा बन चुके इंटरनेट पर एक मिनट में म,फ-,त गीगा बाइट डाटा ट्रांसफर हो जाता है। इसके साथ ही म सैकंड में ख करोड़ ब लाख ई-मेल लोग एक-दूसरे को भेज देते हैं।

फोटो-वीडियो

एक मिनट में नेट पर ख करोड़ फोटो देखी जाती हैं। विभिन्न यूजर्स के माध्यम से प हजार फोटो अपलोड की

A B
C D

D	
d	download DOWNLOAD

E	
e	e-mail E-MAIL

F	
f	facebook FACEBOOK

K	
k	keyboard KEYBOARD

L	
l	laptop LAPTOP

M	
m	mouse MOUSE

N	
n	network NETWORK

S	
s	software SOFTWARE

T	
t	twitter TWITTER

U	
u	usb USB

V	
v	vlc player VLC PLAYER

Y	
y	yahoo YAHOO

Z	zorpia
z	zorpia ZORPIA

साभार: vivekrastogi.com

नेट ऑन मोबाइल

स्मार्टफोन के बढ़ते यूज के बीच एक मिनट में ब्त्र हजार मोबाइल ऐप्लीकेशन डाउनलोड कर ली जाती हैं, और इसी समय में क्फ नए मोबाइल यूजर इंटरनेट से जुड़ते हैं।

सोशल नेटवर्किंग

एक मिनट में फ्ख से ज्यादा नए ट्वीटर एकाउंट बनते हैं और क लाख ट्वीट्स किए जाते हैं। दो लाख

सर्च एंड इंफो

इस एक मिनट में ही ख लाख से ज्यादा जानकारियां गूगल पर सर्च की जाती हैं और म नए आर्टिकल्स विकीपीडिया पर अपलोड किए जाते हैं।

इंटरनेट क्राइम

इंटरनेट की एक मिनट की दुनिया में त्त यूजर्स साइबर क्राइम के शिकार हो जाते हैं और ख नए यूजर्स की

–मनोज जैसवाल

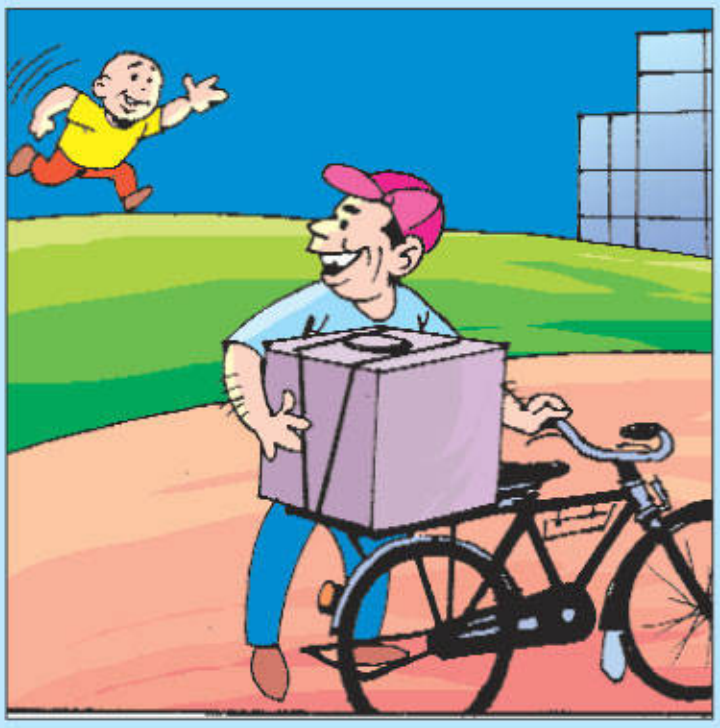

Jingle Bell Creations

यहां इंसानों से अधिक हैं मोर

मध्य प्रदेश के नीमच जिले के बासनियां गांव की पहचान मोरों के गांव के तौर पर बन गई है। इस गांव में मोरों की सं□या यहां की आबादी से दो गुना है। अरावली पहाड़ी के नीचे बसे

बासनियां गांव के लोगों को पशु-पक्षियों से बेहद लगाव है। यही कारण है कि यहां मोर जैसा पक्षी भी आसानी से विचरण करता नजर आ जाता है। गांव का हाल यह है कि हर तरफ मोर नजर आते हैं। खेत हो, खलिहान हो या फिर घरों की छत जहां भी नजर दौड़ाई जाए, वहां सिर्फ राष्ट्रीय पक्षी ही नजर आते हैं। ग्रामीणों के अनुसार यहां के लोग पशु-पक्षियों से बहुत लगाव रखते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस बात का □ायाल रखते हैं कि किसी पशु-पक्षी को किसी तरह की परेशानी न हो। मोरों की बढ़ती तादात के लिए वे यहां की हरियाली और वातावरण को श्रेय देते हैं। इस गांव की आबादी लगभग चार सौ है लेकिन गांव के लोग मोरों की सं□या दो गुना यानी करीब आठ सौ से ज्यादा होने का दावा करते है। गांव में पक्षियों के प्रति बढ़े प्रेम से हर

बर्गर विशाल

लंदन में पहली बार अत्याधुनिक प्रयोगशाला में ढाई लाख पौंड का एक बर्गर बनाया गया है। जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। सिर्फ एक बर्गर की कीमत है, ढाई लाख पौंड, यानी लगभग दो करोड़ फ्फ लाख रुपए। आप सोच रहे होंगे कि इसकी खासियत □या है। तो जनाब यह बर्गर किसी पांच सितारा होटल की रसोई या सड़क किनारे के खोमचे पर नहीं बना है। यह बना है,

लंबाई सात फीट

पश्चिम बंगाल के दक्षिणी दिनाजपुर जिले में सात फीट लंबाई और क्ख किग्रा वजन वाली सिद्दीका परवीन (ख्ब वर्ष) लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। बंशीहारी खंड के श्रीरामपुर गांव निवासी सिद्दीका प्रतिदिन भोजन

में छह किलोग्राम चावल लेती हैं। दैनिक श्रमिक अफसाउद्दीन मंडल एवं मंसूरा बीबी की तीन बेटियों में सबसे बड़ी सिद्दीका के शरीर में दस वर्ष की उम्र से असामान्य विकास होना शुरू हुआ। सिद्दीका की मां ने बताया कि अपनी असरमान्य वृद्धि के कारण लोगों के उपहास का केंद्र बनने पर उसे पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। सिद्दीका के चिकित्सकों का कहना है कि उसके पीयूष ग्रंथि में ट्यूमर होने के कारण हार्मोन का असामान्य स्त्राव हुआ, जिसकी

महाकाय कद्दू

ब्रिटेन के किसान ने एक विशालकाय कद्दू उगाया है। इसके लिए किसान को छह महीने की कड़ी मेहनत करनी पड़ी। यह कद्दू किसी छोटी स्मार्ट कार से कम नहीं है। जो लंदन के अब तक के सबसे बड़े कद्दू होने का रिकॉर्ड बना सकता है। कद्दू के वजन का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसे हिलाने- डुलाने के लिए एक छोटे ट्रक की जरूरत पड़ती है। किसान का कहना है कि इस कद्दू में इतना वजनी होने के पीछे सबसे खास वजह है कि इसे जैव बीजों से उगाया गया है।

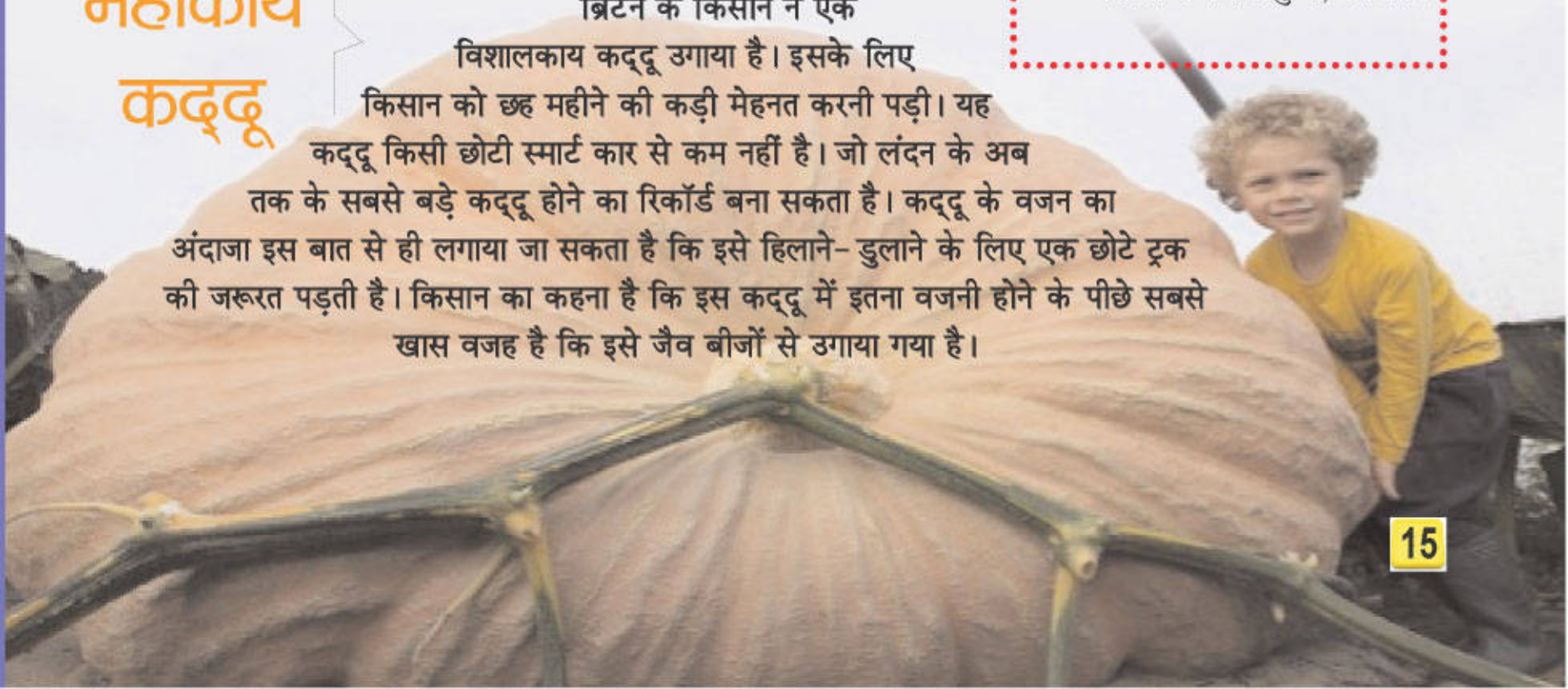

बैंकाक

बैंकॉक में देखने के लिए बेशुमार पर्यटन स्थल हैं। यहां किले, महल, पार्क और धार्मिक स्थलों सहित बहुत कुछ है देखने के लिए। राजा के महल की भव्यता देखते ही बनती है।

वाट फो काफी विशाल मंदिर हैं। इसमें भगवान बुद्ध की शयन की हुई प्रतिमाएं लगी हैं। वाट फरा मंदिर बैकॉक का सबसे बड़ा मंदिर है। इन मंदिरों की कई प्रतिमाएं स्वर्ण की हैं और कइयों के स्वर्ण से पॉलिश की गई हैं। वाट सुटहाट को सबसे पुराना मंदिर माना जाता है। इस मंदिर में लोग अच्छी फसल और सुख-शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। इसके अलावा भी यहां भगवान बुद्ध के अनेक मंदिर हैं।

नेशनल म्यूजियम और गैलेरियां भी यहां आने वाले पर्यटकों का मनोरंजन और ज्ञानवर्द्धन के लिए तत्पर दिखाई देती हैं। थाई शैली से बना सुआन पक्कड अनोखे पैलेस एशियन कला पुरामहत्त्व की वस्तुओं का कलेक्शन है।

विमनक मेनशन म्यूजियम विश्व का सबसे बड़ा सागौन की लकड़ी का बना हुआ भव्य म्यूजियम है। तीन मंजिले इस भवन में अट्ठारह कमरे बने हुए हैं। इसे देखने के लिए ट्यूरिस्टों का तांता लगा रहता है। ल्युमपिनि पार्क, प्रिंसेस मदर मेमोरियल पार्क में विभिन्न प्रजातियों की वनस्पतियों को देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

बैंकाक एशिया का वेनिस यानी तैरता शहर कहा जाता है। यहां नहरों का जाल-सा बिछा है। यहां नावों को जल टैक्सियों की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है। पर्यटक तो इन्हीं अनोखी जल टैक्सियों में बैठकर नदी की सैर करना पसंद करते हैं, ताकि बैंकाक के खूबसूरत नजारों का मजा आराम से लिया जा सके।

यहां सिर्फ नाव टैक्सियां ही नहीं हैं। फलों, सब्जी, अनाज, मसालों, फूलों, मिठाइयों, मछलियों, शीतल पेय पेयों आदि की दुकानें नावों के रूप में तैरती रहती हैं। यानी तैरते हुए बाजार से लोग तैरते हुए ही खरीददारी करते हैं। सबसे बड़ा तैरता बाजार दामनोयन सादौक जगह पर है। असल में ये बाजार पर्यटकों को लुभाने के लिए लगाए जाते हैं।

यहां के ग्रांड पैलेस में एमराल्ड बुद्ध की मूर्ति है। रामा राजा चतुर्थ का महल पूरी तरह से सागवान लकड़ी का बना हुआ है। साथ ही आप बैंकाक में एंटी वीनम बनाने के लिए सांपों से वीनम निकाले जाने की प्रक्रिया देख सकते हैं।

मगरमच्छों की कुश्ती और हाथियों की फुटबॉल के साथ धींगामस्ती देख सकते हैं।

नंबर wheel

A.

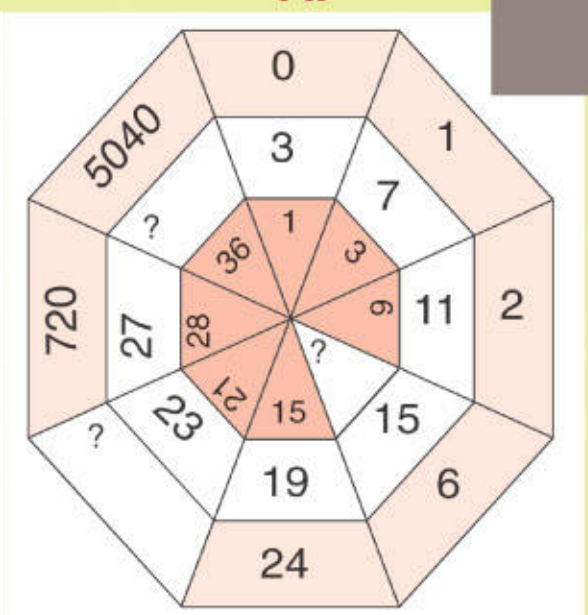

कैसे खेलें

नंबर व्हील को हल करने के लिए अपनी तर्क शक्ति का प्रयोग करें। यहां एक संख्या शृंखला दी गई है जो एक ही सिद्धांत के आधार पर क्रमबद्ध बढ़ती है। आपको उस शृंखला की लापता संख्या लिखनी है।

B.

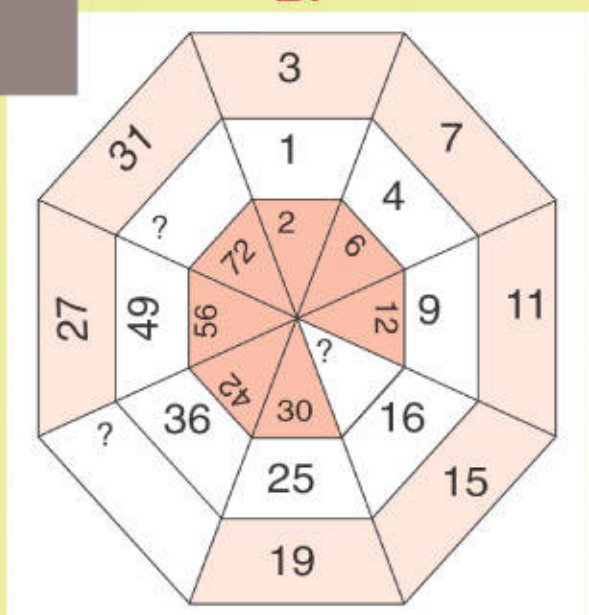

180-degree

A.

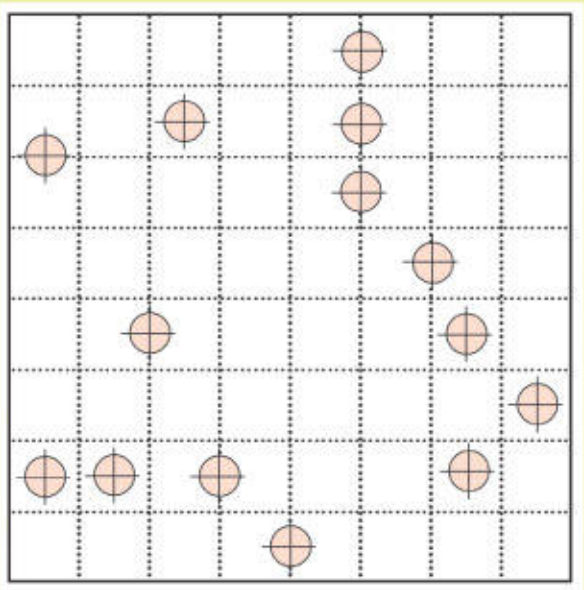

कैसे खेलें

पहेली को हल करने के लिए आप को ऐसी विभिन्न आकृतियां बनानी हैं जो गोलों के केंद्रबिंदु ऊपर से नीचे व दाएं से बाएं देखने पर एक जैसी ही नजर आएं। ध्यान यह रखना है कि गोले का एक ही बार प्रयोग हो व आकृतियां प्रत्येक वर्ग में भर जाएं।

B.

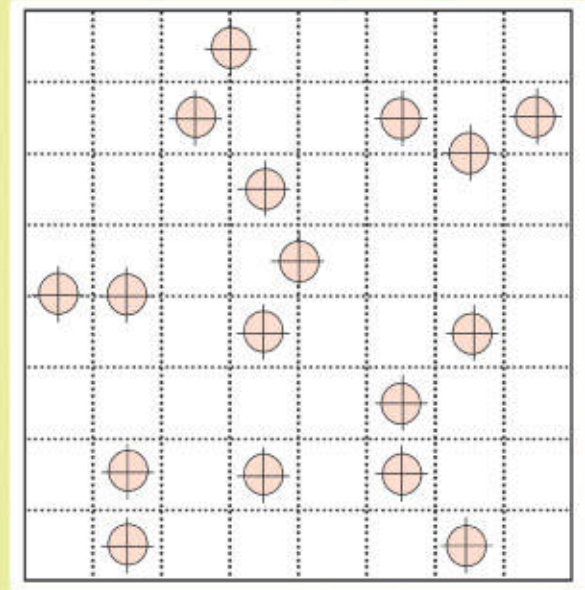

नंबर pyramid

A.

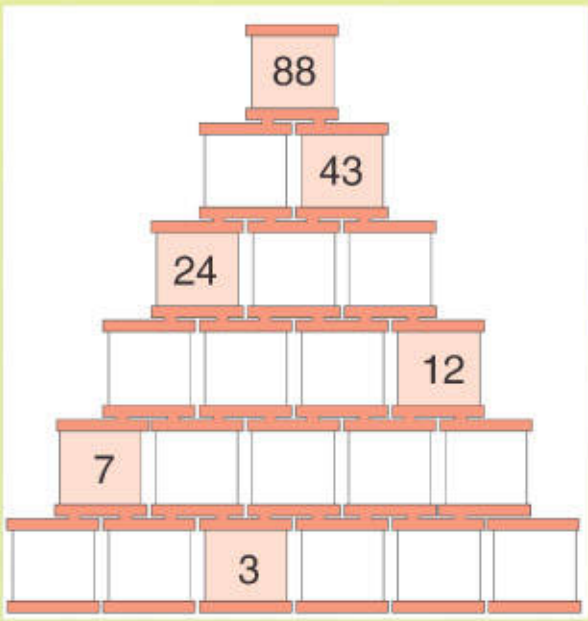

कैसे खेलें

नंबर पिरामिड बनाने के लिए प्रत्येक दो वर्गों की संख्या का योग उन दोनों वर्गों के ठीक ऊपर के वर्ग की संख्या से मेल खाना चाहिए।

B.

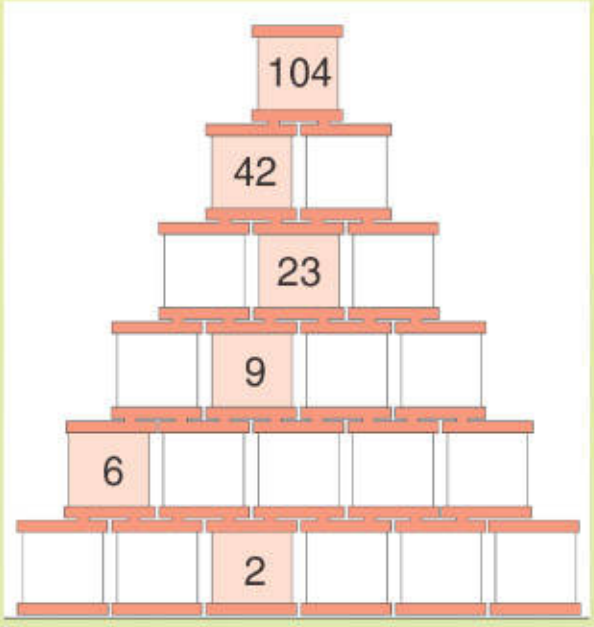

illusion

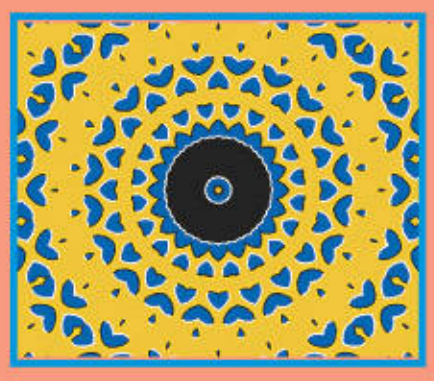

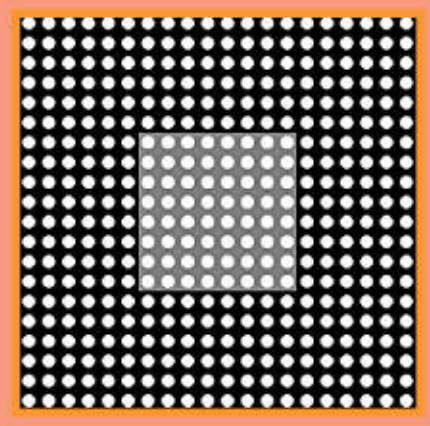

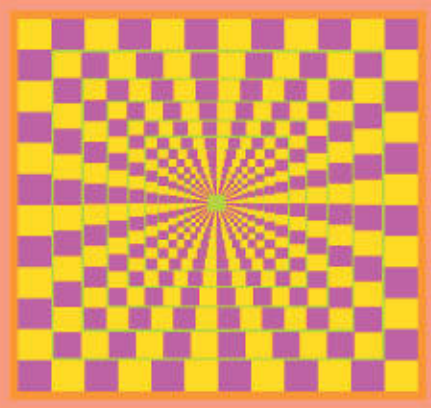

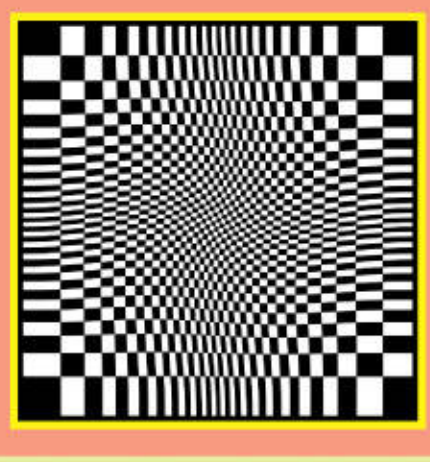

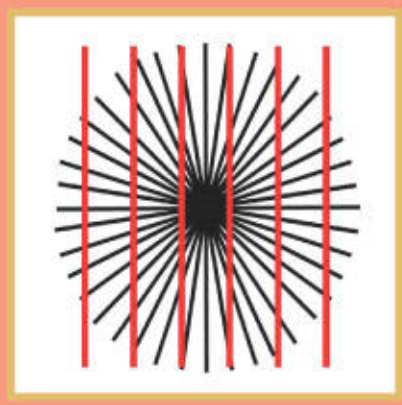

उत्तर

नंबर wheel

A.

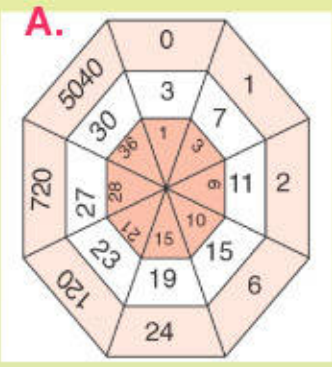

B.

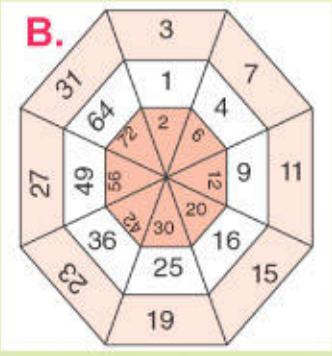

180-degree

A.

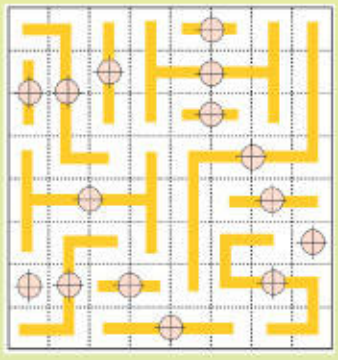

B.

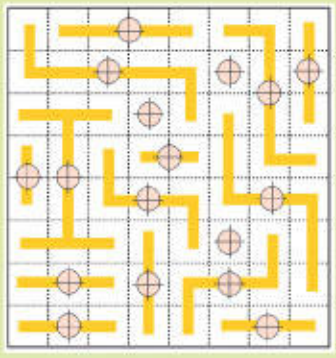

नंबर pyramid

A.

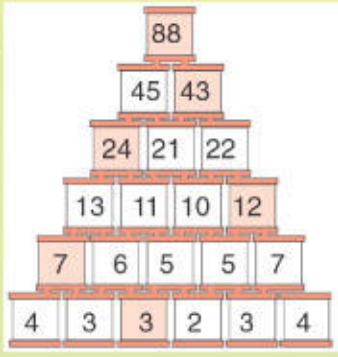

B.

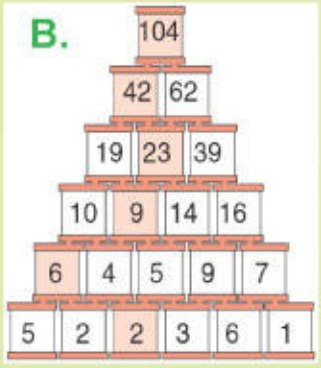

life is like a confused teacher...
first she gives the test...
and then teaches the lesson

Life is Really
Simple, but we
Insist on Making
it Complicated

Life is an opportunity. benefit from it.
Life is a beauty. admire it.
Life is a dream. realize it.
Life is a challenge. meet it.
Life is a duty. complete it.
Life is a game. play it.
Life is a promise. fulfill it.
Life is sorrow. overcome it.
Life is a song. sing it.
Life is a struggle. accept it.
Life is a tragedy. confront it.
Life is an adventure. dare it.
Life is luck. make it.
Life is life. fight for it.

Live Life Hope

LIFE Quotes

Time decides who you meet in your life.
Your **Heart** decides who you want in your life.
And your **behaviour** decides who will stay in your life.

Home...

it's wherever your heart is.

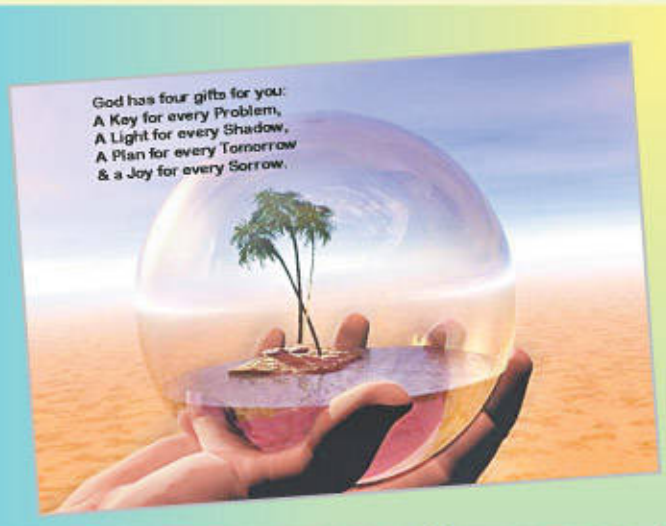

Life isnt about
Finding Yourself..
Its about Creating
YourSelf ...

i hope you always
find a reason to
smile.

Corner Quote

3 stupid stages of life!

Teen age:
Have Time + Energy ...but No Money

Working Age:
Have Money + Energy ...but No Time

Old age:
Have Time + Money ...but no Energy

Lesson- 194

बोलो अंग्रेजी

बच्चो, तु□हें रोजाना अपने घर-स्कूल में अंग्रेजी बोलना चाहिए। इससे अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही तु□हारी अंग्रेजी बोलने में होने वाली हिचकिचाहट भी दूर होगी और कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। यहां तु□हें रोजाना घर-बाहर बातचीत में काम में आने वाले वा□य दिए जा रहे हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और अ□यास करें।

क. स्कूल जाने का समय हो गया है।
It is time for school.
इट इज टाइम फॉर स्कूल।

ख. यह आपका दोष नहीं था।
It was not your fault.
इज वाज नॉट योअर फॉल्ट।

फ. बालक ने कविता सुनाई।
The boy recited a poem.
द बॉय रिसाइटिड ए पोयम।

ब. लड़का स्कूल नहीं आया।
The boy did not come to school.
द बॉय डिड नॉट कम टु स्कूल।

भ. मु□याध्यापक ने मेरा जुर्माना माफ कर दिया।
The headmaster exempted my fine.
द हैडमास्टर इग्जै□पटेड माइ फाइन।

म. उसे अंग्रेजी में विशिष्टता प्राप्त हुई है।
He has got distinction in english.
ही हैज गॉट डिस्टि□शन इन इंग्लिश।

स्त्र. तु□हारे पास कला के विषय हैं, या विज्ञान के?
Have you offered arts or scince?
हैव यू ऑफर्ड आर्ट्स ऑर साइंस?

त. मेरे पास भौतिकी, रासायनिक और जीव विज्ञान हैं।
I have offerd physics, chemistry and biology.
आई हैव ऑफर्ड फिजि□स, कैमेस्ट्री एंड बायॉलोजी।

-. □या कोई फालतू कॉपी आपके पास है।
Do you have a spare exercise book/ note book.?
डू यू हैव अ स्पेअर ए□सरसाइज बुक/नोट बुक?

क. मुझे बड़ा अफसोस है, जो आपको इतनी देर तक मेरा इंतजार करना पड़ा।
I am awfully sorry to have kept you waiting so long.
आइ एम ऑफुली सॉरी टु हैव कैप्ट यू वेटिंग सो लौन्ग।

Word-Power

Gentle-विनम्र	Gather-एकत्र
Purchase-खरीदना	Generally-सामान्यत:
Push-ध□का देना	Attack-आक्रमण करना
Generously-उदारता से	Attractive-आकर्षक

Antonyms

Question-प्रश्न	Reply-उ□ार
Rest-आराम	Work-काम
Right-सही	Wrong-गलत
Rude-अस□य	Polite-विनम्र
Rural-ग्रामीण	Urban-शहरी
Sad-उदास	Happy-खुश

Synonyms

Hit- ट□कर, मार, प्रहार
Bang, Smash, Strike, Collision, Shoot, Collide with, Bump off.

अंग्रेजी- हिन्दी वा□यांश

(English-Hindi Phrases)

Attention Shri- ध्यान दें श्री...।
Back to work- काम पर लौटें।
Authorise you- मैं आपको प्राधिकार देता हूं।
Await reply- उ□ार की प्रतीक्षा करें।
Await further report- आगे और विवरण की प्रतीक्षा करें।

(अगले अंक में जारी)

संता पहली बार चण्डीगढ़ गया, वह रॉक गार्डन देखने जाना चाहता था।
पर उसे पता नहीं था कि वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। तभी उसे पुलिस वाले की गाड़ी दिखी।
उसने पुलिस वाले से पूछा, 'सर क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मैं रॉक गार्डन कैसे जा सकता हूं?'
पुलिस वाले ने कहा, 'तुम इस बस स्टॉप पर 46 नम्बर की बस लेना,
वो सीधी तुम्हें वहीं ले जाएगी।'
उसने पुलिस वाले को धन्यवाद कहा और पुलिसवाला अपनी गाड़ी में आगे निकल गया। तीन घंटे बाद जब पुलिस वाला उसी जगह से वापिस आ रहा था, तो उसने देखा कि संता अभी भी वहीं पर बस का इंतजार कर रहा है!
पुलिस वाला अपनी गाड़ी से बाहर आया और संता से पूछने लगा, 'क्या तुम अभी तक रॉक गार्डन नहीं गए? मैंने तुम्हें कहा था कि यहां से 46 नंबर की बस ले लेना, पर तुम अभी तक यहीं हो?'
संता बोला, 'चिंता न करे सर जी, 46 अब ज्यादा दूर नहीं है, ये अभी 43वीं बस थी जो चली गयी।'

एक मरीज की आंखें कुछ ज्यादा ही कमजोर थीं। एक भी अक्षर पढ़वा पाने में नाकाम डॉक्टर ने हारकर मरीज से आंखों के ठीक सामने थाली अड़ाकर पूछा- 'क्या यह चीज तुम्हें दिखती है?' मरीज ने कहा- 'जी, दिखती है।' डाक्टर ने पूछा- 'क्या है?' मरीज ने कहा- 'ठीक-ठीक नहीं बता सकता, चवन्नी है कि अठन्नी है।'

बालिका अपने तोते को बोलना सिखा रही है।
मेरे पीछे बोलो,
'मैं टहल सकता हूं।'
'मैं टहल सकता हूं।'
'मैं बोल सकता हूं।'
'मैं बोल सकता हूं।'
'मैं उड़ सकता हूं।'
'यह झूठ है।'

पत्नी-तुम हमेशा मेरी फोटो अपने पास रखते हो और ऑफिस भी साथ में ही ले जाते हो, क्यों?
पति-जब भी कोई समस्या आती है, चाहे कितनी ही मुश्किल क्यों न हो मैं तुम्हारी फोटो देख लेता हूं और समस्या गायब हो जाती है।
पत्नी-देखा, मैं तुम्हारे लिए कितनी चमत्कारी और भाग्यशाली हूं!
पति-हां बिल्कुल, मैं तुम्हारी फोटो को देखता हूं और अपने आप से कहता हूं कि क्या इससे बड़ी भी कोई समस्या हो सकती है?

एक भिखारी एक दरवाजे के सामने खड़ा था। उसने दरवाजा खटखटाया। घर के मालिक ने दरवाजा खोला और पूछा, 'क्या चाहिए तुम्हें?'
भिखारी ने कहा, 'क्या आप कुछ पैसे देकर इस भिखारी की मदद कर सकते हो? घर का मालिक अन्दर गया और कुछ सिक्के लेकर बाहर आया और भिखारी को दे दिये। भिखारी ने जब सिक्कों को देखा तो उसने शिकायती अंदाज में कहा, 'जब आपका लड़का घर पर होता है तो वह तो बहुत पैसे देता है।' घर के मालिक ने कहा, 'मेरा बेटा तुम्हें जितना चाहे उतना पैसा दे सकता है क्योंकि उसके पास एक अमीर बाप है।'

एक 75 वर्षीय वृद्धा चैकअप कराने अस्पताल गई, जहां एक युवा डाक्टर उसे चैकअप करने के लिए केबिन के अन्दर ले गया, थोड़ी देर में वह वृद्धा लगभग चिल्लाती हुई केबिन से बाहर भागी। बाहर एक सीनियर डॉक्टर ने उसे रोक कर सारी बात जाननी चाही।

सारी बात जानकर वह युवा डॉक्टर के केबिन में आया और उसे डांटते हुए बोला, 'तुम्हारा दिमाग तो ठीक है? 75 साल की महिला को तुम कह रहे हो कि वह मां बनने वाली है!

जूनियर डॉक्टर बोला, 'सॉरी सर, पर मैं क्या करता, उसकी हिचकी रोकने का मेरे पास कोई दूसरा तरीका नही था!'

एक ही मोहल्ले में रहने वाली सात औरतों में झगड़ा हो गया और बात यहां तक बढ़ गयी कि मामला अदालत तक जा पहुंचा।

जब मुकदमे में आवाज लगी, तब सभी औरतों ने जज के सामने भीड़ लगा ली और अपनी-अपनी बात कहने लगीं। वहां इतना शोर हो गया कि कुछ क्षणों के लिए जज भी बौखला गया।

स्त्रियों की चीख-पुकार मचती रही।

'आर्डर-आर्डर' जज ने कई बार हथौड़ा मेज पर मारा। जब शांति हो गई, तब जज ने कहा, 'सबसे पहले, सबसे अधिक आयु की स्त्री अपनी बात सुनाए...'

और मुकदमा समाप्त हो गया!

एक दिन बच्चा अपने पिता से सवाल करता है, पापा हम दोनों में से ज्यादा काबिल कौन है, मैं या आप?

यह सुन पिता जवाब देते हैं, 'मैं हूं, क्योंकि एक तो मैं तुम्हारा बाप हूं और दूसरा तुम से उम्र में बड़ा हूं। मेरा तजुर्बा भी तुम से ज्यादा है।'

बच्चा कुछ देर सोचने के बाद फिर एक सवाल पूछता है, 'फिर तो आपको पता ही होगा कि अमेरिका की खोज किसने की थी?'

पिता जवाब देता है, 'हां मुझे पता है, कोलंबस ने की थी।'

यह सुन बच्चा तुरंत जवाब देता है, 'कोलम्बस के बाप ने क्यों नहीं की, उसका तजुर्बा भी तो कोलम्बस से ज्यादा ही रहा होगा ना पिताजी?'

बातूनी महिला डॉक्टर के पास चेकअप करवाने जाती है।

डॉक्टर (महिला से)- आपको कोई तकलीफ नहीं है बस आराम की जरूरत है।

महिला (डॉक्टर से)- लेकिन आपने मेरी जुबान तो देखी ही नहीं।

डॉक्टर- उसे भी आराम की जरूरत है।

एक बार छह वर्षीय पप्पू जोर-जोर से रोता, सीढ़ियों से नीचे उतरता हुआ आ रहा था। यह देख उसकी मां ने पूछा, क्या बात है? सिसकियां भरते हुए पप्पू बोला, 'पिताजी ऊपर दीवार पर एक चित्र लटकाने के लिए कील लगा रहे थे, तो गलती से उन्होंने हथौड़ा अपने ही अंगूठे पर मार लिया।'

पप्पू को चुप कराते हुए उसकी मां बोली, 'बेटा यह कोई बहुत गंभीर या घबराने वाली बात तो नहीं है, तो चलो अब जरा बहादुर बच्चों जैसे हंस कर दिखाओ।'

पप्पू रोते हुए जवाब देता है, 'ऊपर वही तो किया था!'

संता ने एक नई मारुति कार खरीदी और अपने दोस्त से मिलने अपने घर अमृतसर से जालंधर चला गया। संता वहां थोड़े ही समय में पहुंच गया। वहां पर कुछ दिन रहने के बाद उसने वापस घर आने की सोची और अपनी मां को फोन करके बताया कि वो शाम तक घर पहुंच जायेगा। पर वो न तो शाम को पहुंचा और न ही अगले दिन पहुंच पाया। जब वो तीसरे दिन घर पहुंचा तो परेशान मां ने पूछा, 'अरे पुत्र! की होया?' संता बहुत थका हुआ लग रहा था और थके हुए लहजे में मां से बोला, 'अरे मां ये मारुति वाले पागल हो गए हैं! अग्गे जाने वास्ते चार गिअर बनाए हैं, और पिच्छे जाने वास्ते सिर्फ इक!'

राजकुमार और जादुई घोड़ा

स्क्रिप्ट : वेणु वारियथ चित्रांकन : एम. मोहनदास

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि किस तरह राजकुमार कमर उड़ने वाले घोड़े पर सुल्तान साना की बेटी को ले आते हैं और महल के अंदर आने की अनुमति मांगते हैं। वे सुल्तान को कुछ दिखाने की बात भी कहते हैं...अब आगे पढ़ें चित्रकथा के अंतिम भाग के 18 पृष्ठ।

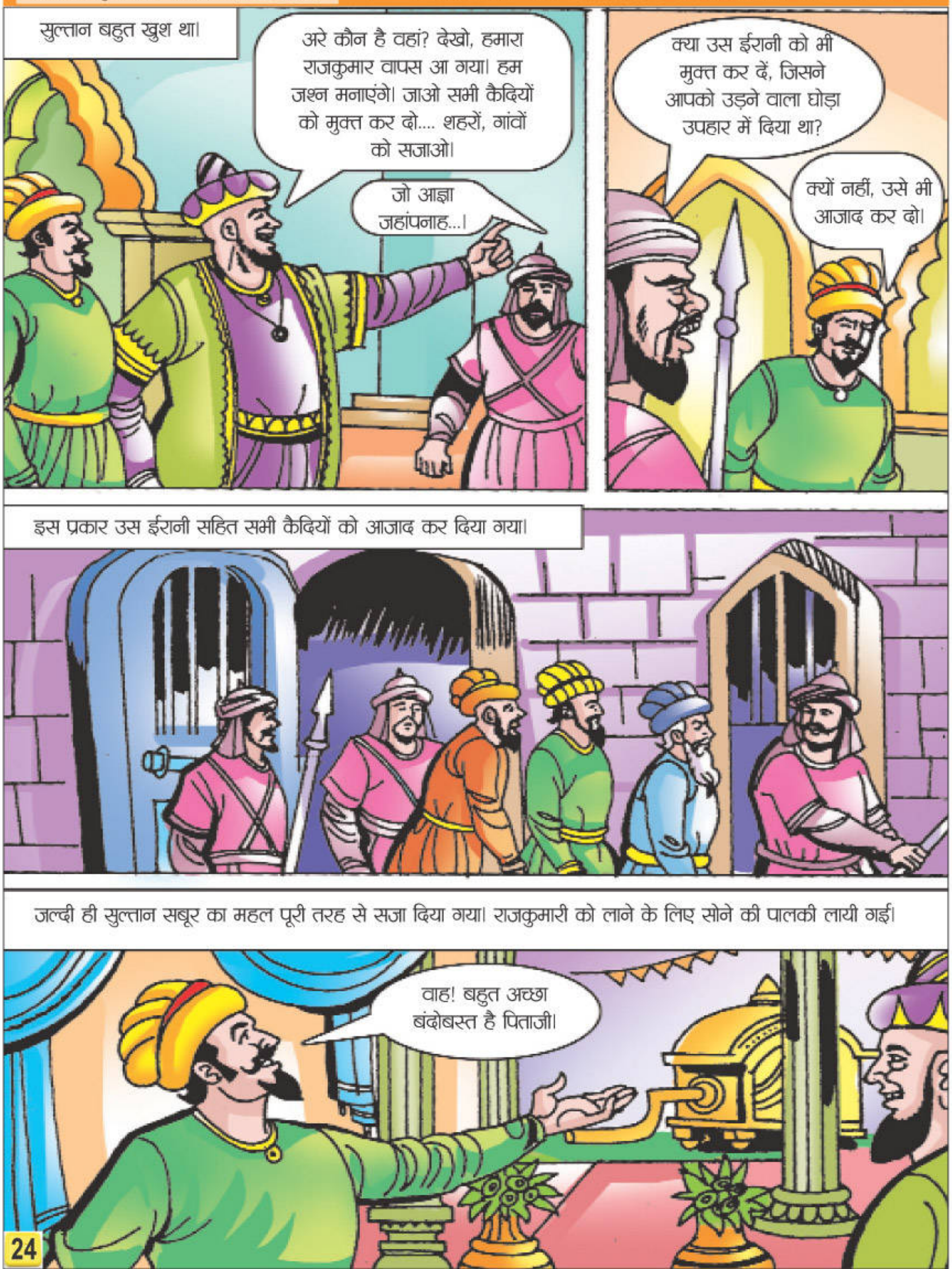

जल्दी ही...
पिताजी, लवाजमे को राजकुमारी तक पहुंचने में बहुत देर लगेगी। तब तक वह अकेली परेशान हो जायेगी।
हां, यह सही है। ऐसा करो तुम पहले ही वहां चले जाओ।
कमर रानी के पास पहुंचने के लिए निकला।
वहां पहुंचने पर उसे धक्का-सा लगा।
अरे! राजकुमारी कहां है? और यहां तो घोड़ा भी नहीं है।
लगता है, किसी ने उन दोनों का अपहरण कर लिया है।

कमर का सोचना बिल्कुल सही था। वह विद्वान कैद से मुक्त होकर जंगल में दवाओं के पौधे लेने चला गया।

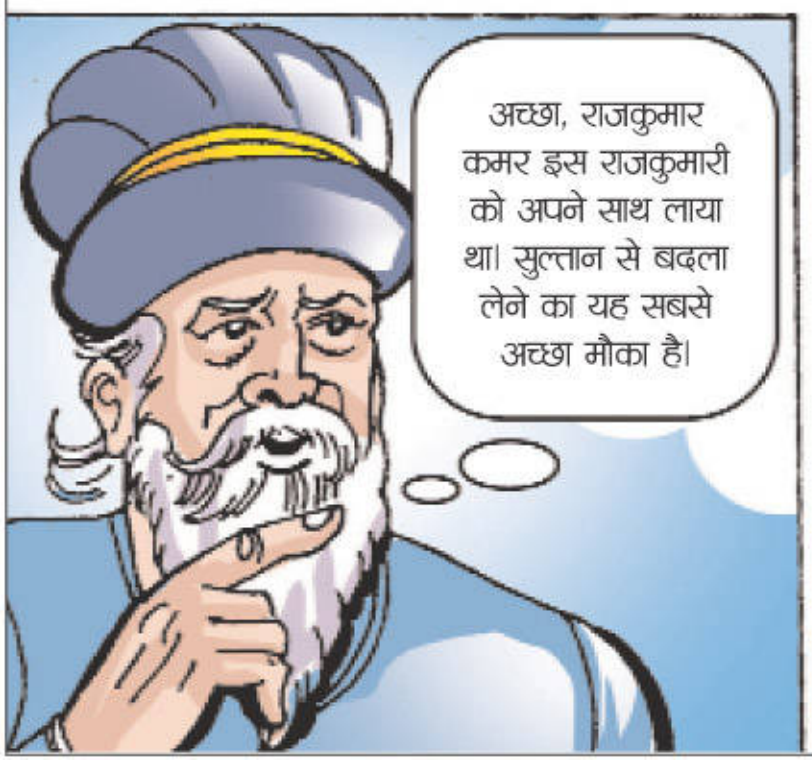

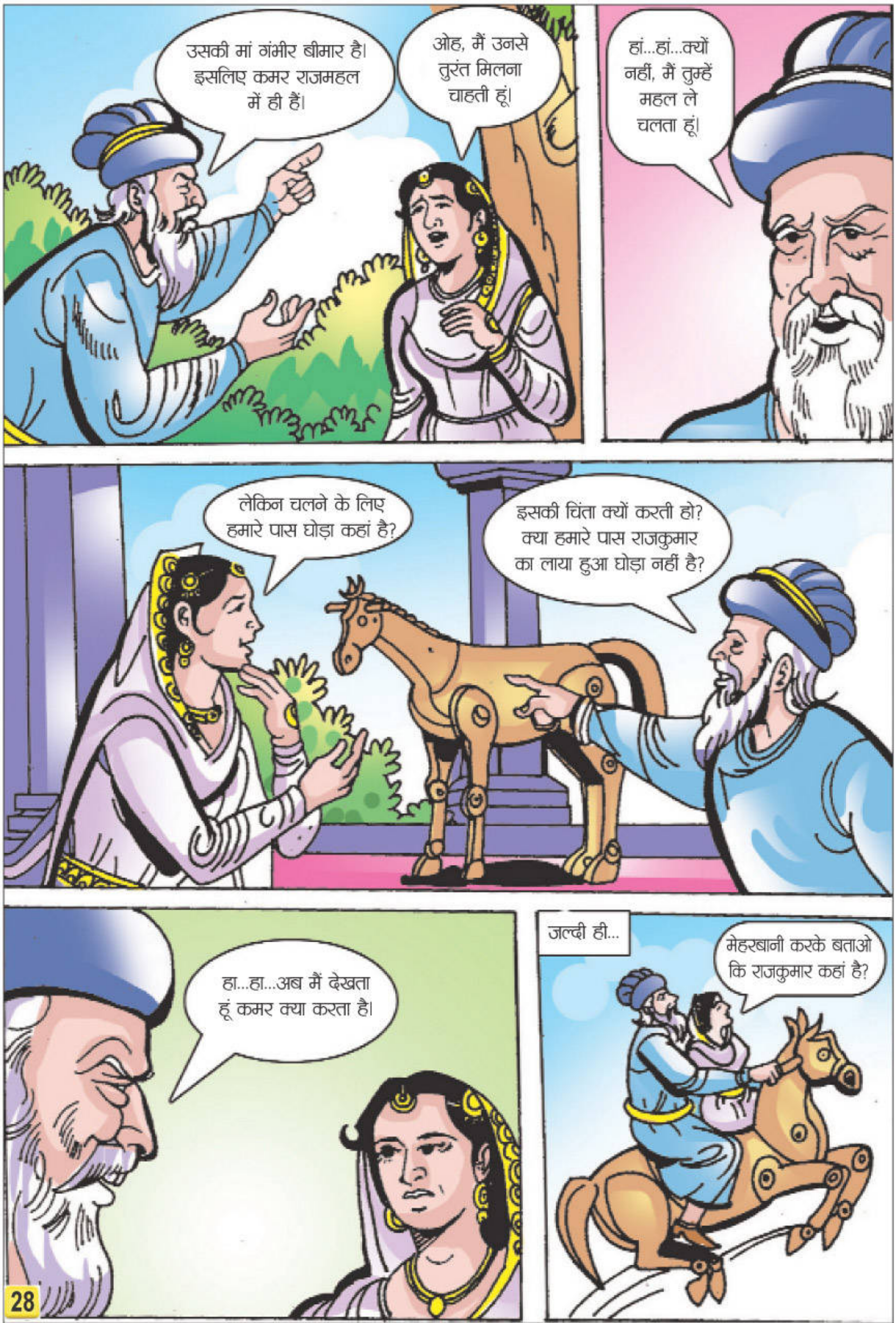
उसकी मां गंभीर बीमार है। इसलिए कमर राजमहल में ही हैं।
ओह, मैं उनसे तुरंत मिलना चाहती हूं।
हां...हां...क्यों नहीं, मैं तुम्हें महल ले चलता हूं।
लेकिन चलने के लिए हमारे पास घोड़ा कहां है?
इसकी चिंता क्यों करती हो? क्या हमारे पास राजकुमार का लाया हुआ घोड़ा नहीं है?
हा...हा...अब मैं देखता हूं कमर क्या करता है।
जल्दी ही...
मेहरबानी करके बताओ कि राजकुमार कहां है?

हा...हा...अब तुम वो ही करोगी, जो मैं कहूंगा, समझीं।
जल्दी ही वो उस राज्य की सीमा को पार कर गये।
अरे...तुम कहां जा रहे हो?
मैं तुम्हें सारी बात बताऊंगा। थोड़ा धीरज तो रख युवती....
क्या तुम्हें मालूम है यह घोड़ा मेरा है। राजकुमार ने इसे मुझसे छीन लिया था।
और इसके बाद उस दुष्ट ने मुझे कैद में डाल दिया था।

और अब मैंने मेरा घोड़ा वापस ले लिया।
मैं इस बारे में कुछ नहीं जानती। दया करके मुझे छोड़ दो।
नहीं...अब तुम मेरी बेगम बनोगी।
या अल्लाह...मेरा कैसा दुर्भाग्य है?
लम्बी यात्रा के बाद विद्वान ने घोड़े को एक जंगल में उतारा।
चिंता मत करो युवती, तुम्हें यहां कोई परेशानी नहीं होगी।
मेहरबानी करके मुझे जाने दीजिए। मैं जल्दी से जल्दी राजकुमार कमर के पास जाना चाहती हूं।
अरे...!

यह इस राज्य का सुल्तान था, जो शिकार करने आया था।
मुझे सही-सही बताओ तुम कौन हो वरना...?
हम पास वाले देश के नागरिक हैं, यह मेरी बेगम है।

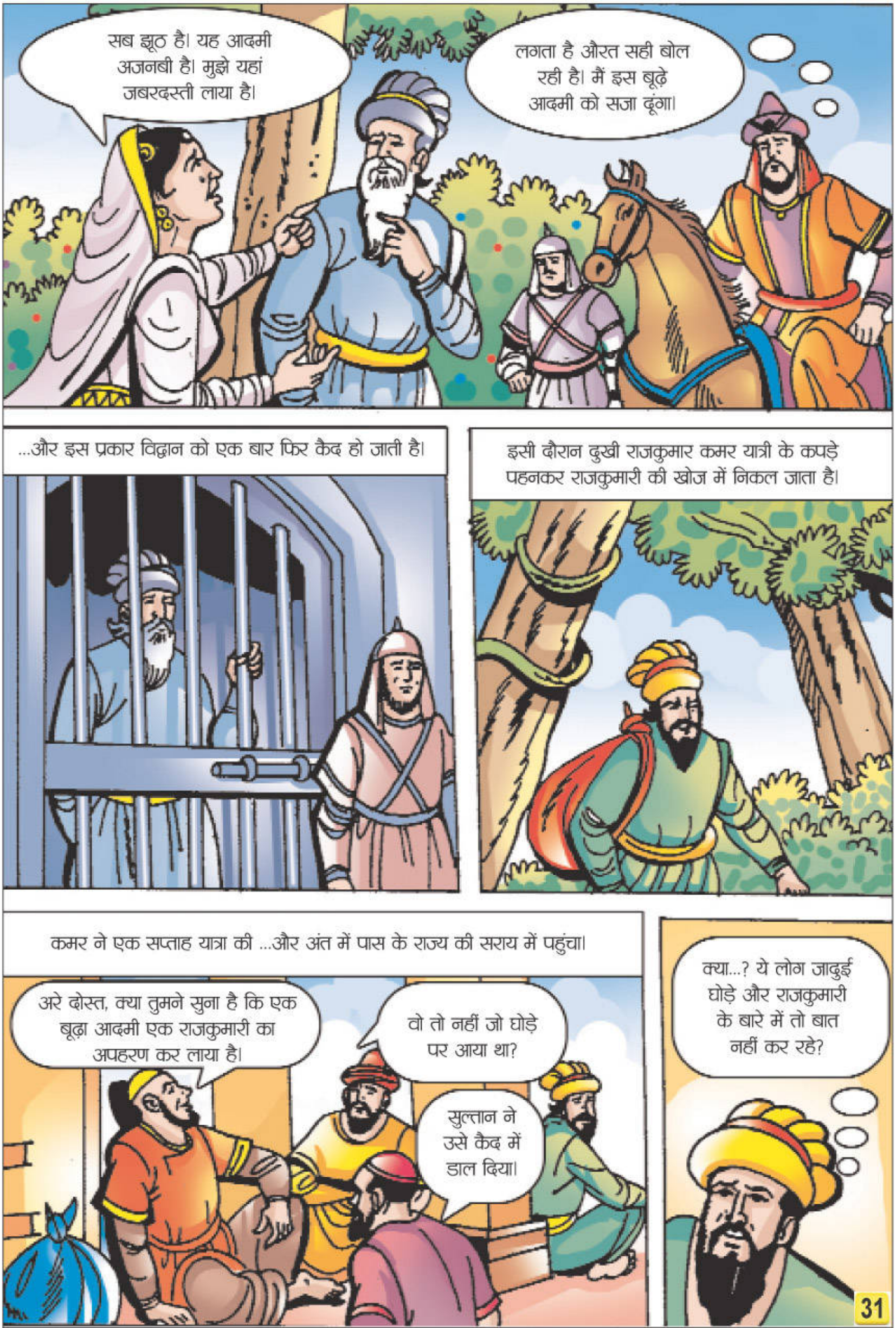
सब झूठ है। यह आदमी अजनबी है। मुझे यहां जबरदस्ती लाया है।
लगता है औरत सही बोल रही है। मैं इस बूढ़े आदमी को सजा दूंगा।
...और इस प्रकार विद्वान को एक बार फिर कैद हो जाती है।
इसी दौरान दुखी राजकुमार कमर यात्री के कपड़े पहनकर राजकुमारी की खोज में निकल जाता है।
कमर ने एक सप्ताह यात्रा की ...और अंत में पास के राज्य की सराय में पहुंचा।
अरे दोस्त, क्या तुमने सुना है कि एक बूढ़ा आदमी एक राजकुमारी का अपहरण कर लाया है।
वो तो नहीं जो घोड़े पर आया था?
सुल्तान ने उसे कैद में डाल दिया।
क्या...? ये लोग जादुई घोड़े और राजकुमारी के बारे में तो बात नहीं कर रहे?

कमर ने जल्दी ही उन यात्रियों से पूरी बात का पता लगाया।
मुझे तुरंत महल पहुंचना चाहिए।
इसके बाद..
अरे, वहीं ठहरो। कहां से आये हो तुम?
मैं ईरानी हूं।
बहुत अच्छा...! इन दिनों सभी लोग ईरान से ही आ रहे हैं।
आप ऐसा क्यों कह रहे हैं?
कुछ दिनों पहले एक ईरानी आदमी एक राजकुमारी का अपहरण कर यहां ले आया था। अब वह कैद में है।
....उस राजकुमारी की सुंदरता से प्रभावित हो, सुल्तान ने उससे निकाह करने का फैसला किया है।
क्या निकाह हो चुका?

पहरेदारों ने कमर की बातों को सही मान लिया। वे उसे सुल्तान के पास ले गये और सारी बात बतायी।

सुल्तान ने हर्जा को राजकुमारी की बीमारी की पूरी जानकारी दी।
जहांपनाह, राजकुमारी और घोड़े के बीच कुछ सम्बन्ध है। मैं पहले घोड़े को देखना चाहता हूं।
क्यों नहीं...?
इस तरह...
सौभाग्य से घोड़ा बिल्कुल सही है।
अब मैं राजकुमारी से मिलना चाहता हूं।
हां...हां...आइए मेरे साथ...
जल्दी ही...
ओह! राजकुमारी ठीक है। दिल को बड़ा सुकून मिला....
या अल्लाह...

उसने पागल होने का अभिनय किया, ताकि कोई उसे परेशान न करे।
जहांपनाह, आप यहां इंतजार करें। मुझे राजकुमारी की जांच कर लेने दें।
ठीक है, सावधानी से करना...
हर्जा तुरंत राजकुमारी ओर गया...
श...श...मैं हूं...तुम्हारा राजकुमार कमर...लेकिन यह किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि तुम मुझे जानती हो। यदि सुल्तान को यह मालूम पड़ गया तो हम दोनों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा।
ठीक है कमर...।
इसके बाद...
जहांपनाह, आप खुशनसीब हैं...मैंने उसकी बीमारी का पता लगा लिया है।
क्या बात है...!
तुम्हें उससे प्रेम से बातें करनी चाहिए और वही करें जो वह कहती है।
हां, मैं ऐसा ही करूंगा।

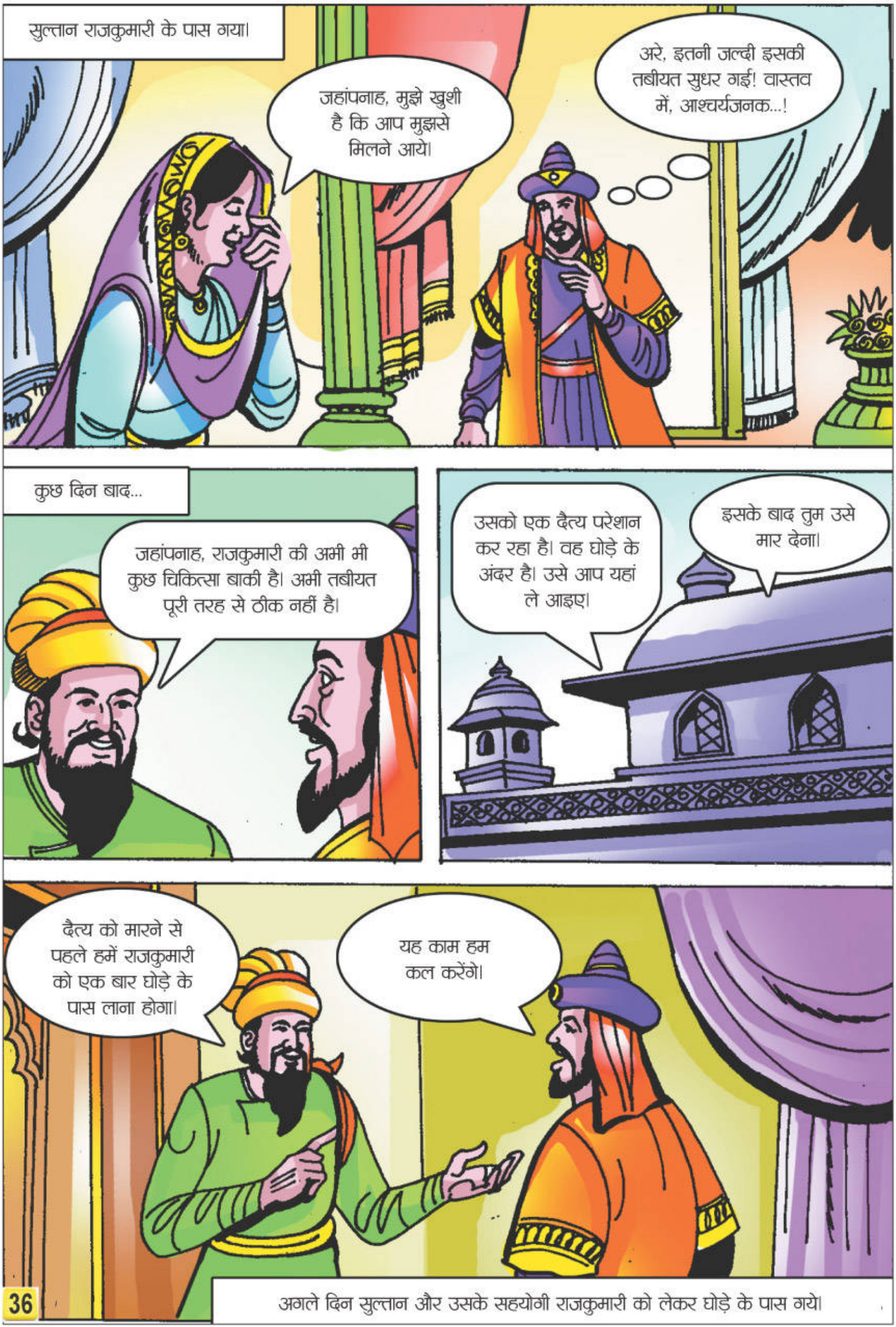
सुल्तान राजकुमारी के पास गया।
जहांपनाह, मुझे खुशी है कि आप मुझसे मिलने आये।
अरे, इतनी जल्दी इसकी तबीयत सुधर गई! वास्तव में, आश्चर्यजनक...!
कुछ दिन बाद...
जहांपनाह, राजकुमारी की अभी भी कुछ चिकित्सा बाकी है। अभी तबीयत पूरी तरह से ठीक नहीं है।
उसको एक दैत्य परेशान कर रहा है। वह घोड़े के अंदर है। उसे आप यहां ले आइए।
इसके बाद तुम उसे मार देना।
दैत्य को मारने से पहले हमें राजकुमारी को एक बार घोड़े के पास लाना होगा।
यह काम हम कल करेंगे।
अगले दिन सुल्तान और उसके सहयोगी राजकुमारी को लेकर घोड़े के पास गये।

ज्योहीं कमर घोड़े के पास पहुंचा...
सारी परेशानियां इसी घोड़े के कारण है। मैं राजकुमारी को इस घोड़े पर बिठाऊंगा और कुछ प्रार्थना करूंगा। इसके बाद दैत्य से मुक्ति मिल जाएगी।
आप सभी से मेरी गुजारिश है कि आप थोड़ा दूर खड़े रहें जब तक कि मेरी प्रार्थना चले....
ठीक है...।
इस तरह कमर राजकुमारी को जादुई घोड़े के पास ले गया।
इससे पहले कि सुल्तान को संदेह हो, जल्दी से घोड़े पर बैठ जाओ।
कमर, अल्लाह से दुआ करो कि वो हमें सभी परेशानियों से बचाए।

जल्दी ही कमर और घोड़ा आकाश में ऊपर उड़ने लगे।
ओह! कितना सुकून मिला है!
लगता है वह दैत्य को आकाश में मारना चाहता है। इसीलिए ऊपर गया है।
सही है, जो भी हो, आदमी बड़ा चालाक है।
राजकुमारी, अब सुल्तान तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। हम उसके राज्य की सीमा से बाहर आ गये हैं।
कमर अब मुझे बहुत ही अच्छा लग रहा है।
वह सुल्तान अभी तक तुम्हारा इंतजार कर रहा होगा।
हा...हा...बेचारा सुल्तान...

काफी लम्बी यात्रा करने के बाद वे कमर के राज्य में पहुंचे।
राजकुमारी, देखो हमारा महल...!
मुझे बेहद खुशी हो रही है कमर...

कमर का घोड़ा महल के आंगन में उतरा।
आओ, राजकुमार कमर....!
अरे, तुम्हारे साथ राजकुमारी भी है!

सुल्तान सबूर ने सुना कि राजकुमार वापस आ गया है, तो वह दौड़ता हुआ आया।
मेरे बेटे...
अब्बाजान...

मुझे बेहद खुशी है कि तुम सुरक्षित वापस आ गये।
पिताजी, मुझे सुल्तान साना को एक पत्र भेज कर बुलवाना है। एक बार वे यहां आ जाएं। उसके बाद हमें शीघ्र ही निकाह करना है।
सुल्तान सबूर इस बात पर सहमत हो गये...
जादुई घोड़ा कहां है?
वह वहां खड़ा है।
सुल्तान तलवार लेकर घोड़े की ओर झपटता है।
क्या बात है पिताजी?
और अगले ही क्षण सुल्तान ने घोड़े के कई टुकड़े कर दिये।

जल्दी ही कमर और राजकुमारी ने निकाह कर लिया। निकाह बहुत ही आलीशान तरीके से हुआ। इसके बाद वे खुशी से रहने लगे।

समाप्त

अद्भुत अंगकोर वाट

यह क□बोडिया स्थित विश्व का सबसे बड़ा मंदिर है अंगकोर वाट। इसका अर्थ है, नगर मंदिर (सिटी टै□पल)। यह उ□ार-पश्चिमी क□पूचिया के अंगकोर शहर में स्थित है। इस मंदिर की बाहरी दीवार का कुल क्षेत्रफल एक दर्जन फुटबाल मैदानों के क्षेत्रफल से भी अधिक है।

इस मंदिर के अंदर पत्थर के कई प्रांगण हैं, जो अपने से बाहर वाले प्रांगणों से अधिक ऊंचे हैं। इसके मध्य में पत्थर के पांच स्त□भ स्थित हैं, जो कमल के फूल जैसे दिखते हैं। किसी समय इन पर सोने की परत चढ़ी हुआ करती थी। इनमें सब से मध्य वाला स्त□भ सर्वाधिक ऊंचा है। यह मंदिर एक बड़े पिरामिड जैसा दिखता है। बरामदे की दीवारों पर हिंदुओं के पूजनीय देवता श्री विष्णु के दृश्य उत्कीर्णत हैं। यह मंदिर लगभग क्भ्भ मीटर ल□बा और क्ब मीटर चौड़ा है। पश्चिम की ओर से इस तक एक बहुत सुंदर सड़क जाती है, जो एक सेतुपथ (उभरी हुई सड़क) पर बनी है। मूल रूप में इस मंदिर में नौ स्त□भ थे, परन्तु उनमें से आज सिर्फ पांच ही रह गए हैं।

मंदिर के प्रांगण में बहुत खूबसूरत स्त□भ हैं। इसकी सीढ़ियां और ड्योढ़ियां शानदार दस्तकारी का नमूना हैं। सभी कलाकृतियों में हिंदू धर्म से संबंधित गाथाएं उत्कीर्णत की गई हैं। इस मंदिर का निर्माण खमेर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय ने क्ख्वीं शता□दी की शुरुआत में करवाया था। सूर्यवर्मन का शासन काल वर्ष क्क्क्फ से क्क्भ तक था।

इस मंदिर का निर्माण सूर्यवर्मन के अपने पूजा-स्थल के तौर पर किया गया था। मंदिर की दीवारों पर कई ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं, जिनमें सूर्यवर्मन के ऐश्वर्यशाली वैभव का चित्रण है। खमेर राजा खुद को सर्वोपरि मानते थे और लोग उनकी पूजा किया करते थे। लोगों ने उनके स□मान और वैभव को प्रदर्शित करने वाले कई मंदिरों का निर्माण करवाया। यह मंदिर उस काल की भवन निर्माण कला का उत्कृष्ट नमूना है।

अजेय किला जंजीरा

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के तटीय गांव मुरूड के पास स्थित है जंजीरा किला। भारत के पश्चिमी तट का यह एकमात्र ऐसा किला है, जो कभी भी जीता नहीं गया। इस किले को अजिं□या के नाम से भी जाना जाता है। जिसका शा□दिक अर्थ है अजेय। ऐसा माना जाता है कि यह किला पंच पीर पंजातन शाह बाबा के संरक्षण में बना। शाह बाबा का मकबरा भी इसी किले में है। समुद्र तल से -ं फीट ऊंचे इस किले की नींव ख फीट गहरी है। यह किला सिद्दी जौहर द्वारा बनवाया गया था।

ख्ख वर्षों में बना यह किला ख्ख एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें ख्ख सुरक्षा चौकियां हैं। इस किले को समय-समय पर ब्रिटिश, पुतर्गाली, शिवाजी, कान्होजी आंग्रे, चि□माजी अप्पा और शंभाजी ने जीतने का काफी प्रयास किया। लेकिन कोई सफल नहीं हो सका। किले के भीतर सिद्दी शासकों की कई तोपें आज भी रखी हुई हैं। जंजीरा किले का परकोटा बहुत ही मजबूत है।

जिसमें कुल तीन दरवाजे हैं। दो मु□य दरवाजे और एक चोर दरवाजा। मु□य दरवाजों में एक पूर्व की ओर राजापुरी गांव की दिशा में खुलता है, तो दूसरा ठीक विपरीत समुद्र की ओर खुलता है। चारों ओर कुल क- बुर्ज हैं। प्रत्येक बुर्ज के बीच -ं फीट से अधिक का अंतर है।

किले के चारों ओर भ तोपें रखे जाने का उल्लेख भी कहीं-कहीं मिलता है। इन तोपों में कलाल बांगड़ी, लांडाकासम और चावरी ये तोपें आज भी देखने को मिलती हैं। किले के बीचोंबीच एक बड़ा-सा परकोटा है और पानी के दो बड़े तालाब भी हैं। इस किले पर ख सिद्दी शासकों ने राज किया। अंतिम शासक सिद्दी मुह□मद खान था। जिसका शासन खत्म होने के फ्फ वर्ष बाद फ अप्रेल क-ब्ब

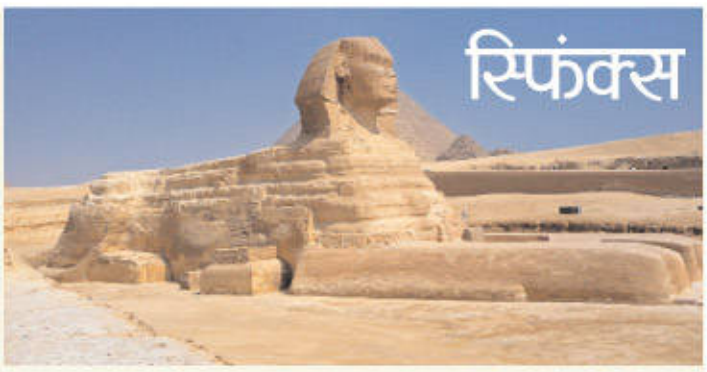

स्फिंक्स

इजिप्ट के पिरामिडों के पास बनी स्फिं□स की मूर्ति यहां घूमने आए पर्यटकों का ध्यान अनायास ही अपनी ओर खींच लेती है। यही स्फिं□स दुनियाभर के इतिहासकारों और खोजी लोगों की जिज्ञासा का कारण भी बने हुए हैं। दरअसल स्फिं□स एक विशेष प्रकार की मूर्ति है। जिसका शरीर सिंह का है, लेकिन चेहरा पौराणिक इजिप्टियन राजा का है। ल□बे काल तक इतिहासकार मानते रहे थे कि नाइल नदी के किनारे बनी स्फिं□स की बड़ी मूर्ति जो म्भ फीट ऊंची और ख्र फीट ल□बी है, इसके ऊपर बना चेहरा किंग खलीफा का है। भूस्तरशास्त्रियों के अनुसार यह मूर्ति किंग खलीफा के जमाने से भी पहले बन चुकी थी। स्फिं□स का शिल्प आसपास बने पिरामिडों से पुराना है।

ऐसा माना जाता है कि स्फिं□स का निर्माण लगभग भ हजार वर्ष पहले चौथे मिस्री राजवंश राजा शैफरेन के चेहरे से मिलता-जुलता बनाने के किया गया था। इसका निर्माण मिस्र के राजा खफ्रे के कार्यकाल के दौरान हुआ था। अब सवाल यह उठता है कि स्फिं□स का निर्माण □यों किया गया। तत्कालीन समय में ऐसी मान्यता थी कि स्फिं□स एक मिथकीय दैत्य था।

यूनानी लोगों का मानना था कि इसका सिर एक स्त्री का और पंखों सहित इसका धड़ शेर का था। मिस्र के लोगों का मानना था कि इसका धड़ शेर का और बिना पंखों वाला और छाती वाला हिस्सा एक पुरुष का था। गीजा के महान स्फिं□स के अतिरि□त मिस्त्र में कई अन्य स्फिं□स भी हैं। उन

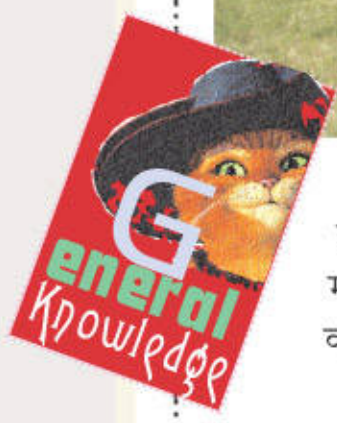

दुनिया के देश पेरू

प्राचीन इंका स□यता का विकास इसी क्षेत्र में हुआ था। वर्ष क्भ्फ्क में स्पेनिशों ने इसकी खोज करने के बाद यहां अधिकार कर लिया। ख्र जुलाई, क्त्ख्क को यह स्वतंत्र हुआ। यहां माओवादी गुरिल्लाओं और अन्य संगठनों के मध्य संघर्ष होते रहते हैं।

आधिकारिक नाम- रिपा□लका डेले पेरू। **राजधानी-** लीमा। **मुद्रा-** न्युवो सोल। **मानक समय-** जी एम टी से भ घंटे पीछे। **भाषा-** स्पेनिश, □वाचा (दोनों आधिकारिक) **कुल जनसं□या-** फ,ब,स्त्रभ,क्ब्ब **क्षेत्रफल-** क्ख,त्भ,ख्क्म वर्ग किलोमीटर।

स्थिति- पेरू, दक्षिण अमरीका के पश्चिमी भाग में चिली और इ□वाडोर के मध्य, दक्षिणी प्रशांत महासागर के तट पर स्थित है।

जलवायु- विविधता लिए हुए है। मध्य में यह विषुवतीय प्रकार की है, जबकि तटीय व दक्षिणी भागों में ठण्डी व मरुस्थलीय प्रकार की है। यहां स्थित एंडीज व अमेजन बेसिन वनाच्छादित और तटीय मैदानी भाग शुष्क है।

प्रमुख नदियां- अमेजन, उकापली, मारोनन, नापो।

सर्वोच्च शिखर- हुआसकन- म्स्त्रम्त मीटर।

प्रमुख बड़े शहर- एरि□वया, लीमा, चि□लायो।

निर्यात- मत्स्य उत्पाद, कॉफी, तांबा, चीनी, कपड़ा, कपास।

आयात- मशीनरी, □ाद्यान्न, दवाइयां, रसायन। **प्रमुख उद्योग-** लौह एवं इस्पात उद्योग। **प्रमुख फसलें-** गेहूं, चावल, कपास, म□का, कॉफी, गन्ना, आलू, सेम। **प्रमुख खनिज-** तांबा, सीसा, लोहा, चांदी, जिंक, पेट्रोलियम, तेल व प्राकृतिक गैस।

शासन प्रणाली- अध्यक्षात्मक गणतंत्रीय शासन पद्धति।

राष्ट्रीय ध्वज- लाल और सफेद रंग पर आधारित।

स्वतंत्रता दिवस- ख्र जुलाई, क्त्ख्क **प्रमुख धर्म-** रोमन कैथोलिक - प्रतिशत, शेष प्रोटेस्टेंट व अन्य हैं। **प्रमुख हवाई अड्डा-** लीमा स्थित जार्ज कैवेज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

प्रमुख बंदरगाह- लीमा, चिकलायो।

इंटरनेट कोड- .pe

अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में हैंबेलेट स्टेट नामक एक पार्क है। इस पार्क में जैट सेकुजा वृक्ष की ऊंचाई लगभग 122 मीटर है।

कोलकाता के बोटेनिकल गार्डन में एक विशाल वटवृक्ष है, जो दस एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। यह 27 मीटर ऊंचा और 241 वर्ष पुराना है।

अलकनंदा की पांच सहायक नदियां हैं, जो गढ़वाल क्षेत्र में पांच अलग-अलग स्थानों पर अलकनंदा से मिलकर पंचप्रयाग बनाती हैं।

न्यूजीलैंड में मिंका नामक एक वृक्ष पाया जाता है। इस वृक्ष के तने से मक्खन जैसा द्रव निकलता है, जो गाढ़ा भी होता है और बेहद मीठा भी। वहां के लोग मक्खन के बजाए इस द्रव का ही उपयोग प्रतिदिन भोजन में करते हैं।

वेस्टइंडीज के सूडानइलेह वन में एक वृक्ष पाया जाता है। इस वृक्ष को मोर्निंग ट्री (शोकाकुल वृक्ष) कहते हैं। इस वृक्ष से दिनभर संगीत की स्वर लहरियां निकलती हैं। मगर शाम होते ही वृक्ष से रोने की आवाज आती है।

हमारे देश में भारत में छुई-मुई का पौधा भी एक आश्चर्यजनक पादक है। इसे छूते ही इसकी पत्तियां सिमट जाती हैं। हाथ दूर करते ही इसकी पत्तियां पुनः खुल जाती हैं। ये पत्तियां इमली की पत्तियों जैसी होती हैं।

भारत की पहली कार्टून पत्रिका शंकर्स वीकली का प्रकाशन कार्टूनिस्ट के. शंकर पिल्लई ने वर्ष 1948 से 1975 तक किया।

वैंपायर नामक खून पीने वाला चमगादड़ अपने दांतों से सोते हुए शिकार की गर्दन की खाल को धीरे-धीरे उस समय तक काटता है, जब तक कि उससे रक्त नहीं निकलने लगता। रक्त निकल आने पर वह उसे पीने लगता है। उसका काटना इतना सुहावना होता है कि शिकार को कोई दर्द नहीं होता। यहां तक कि उसकी नींद भी नहीं खुलती।

चैम्पियन नाम का रबड़ का पेड़ एक साल में दस किलो से भी ज्यादा रबड़ पैदा कर सकता है।

गाय का दूध शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी समझा जाता है। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में अधिकांश लोगों को गाय के दूध से ही एलर्जी होती है।

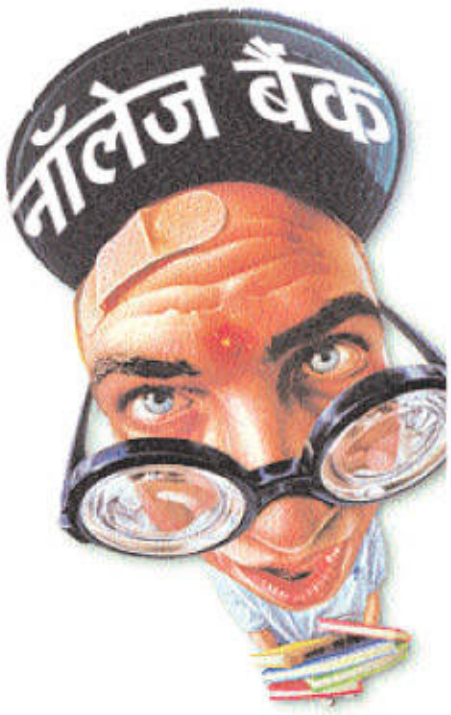

शब्द युग्म

अवधि– समय-सीमा
अवधी– हिन्दी की एक बोली
अराति– शत्रु
अरातीय– निकटवर्ती
अभिनय– नाटक कर्म
अविनय– धृष्टता
अंधकारि– महादेव
अंधकारी– भैरव राग
परिमाण– मात्र, तौल
परिणाम– नतीजा

अंतर है

Context- संदर्भ, प्रसंग	
Contest- विवाद, प्रतियोगिता	
Corps- दल	
Corpse- लाश, शव	
Council- परिषद्	
Counsel- सलाह	
Councillor-परिषद् का सदस्य	
Counsellor- सलाहकार	

One Word

One hundred years- **Century**

●

One who employs- **Employer**

●

A disease prevailing in a locality- **Endemic**

●

One who goes to live in a foreign country- **Emigrant**

जो मापा न जा सके- **अपरिमेय।**

●

जो पूरा या भरा हुआ न हो- **अपूर्ण।**

●

जो पहले पढ़ा न गया हो- **अपठित।**

●

जो जल बरसाता हो- **जलद।**

एक के तीन

Pastime-पास्ट टाइम – शौक – व्यासंग:
Addiction-एडि□शन –नशा –व्यसनम्
Sports-स्पोर्ट्स- खेलकूद – क्रीड़ा:
Bar-room-बाररूम –मद्यशाला –मधुशाला, आपानशाला
Aircraft-एयरक्रा□ट –हवाईजहाज –विमानम्

मुहावरे

गुड़ खाए मर जाए तो जहर देने की □या जरूरत– यदि शांतिपूर्वक ही कोई कार्य हो जाए तो कठोर व्यवहार की आवश्यकता नहीं।

घर का जोगी जोगना आन गांव का सिद्ध– परिचितों की अपेक्षा दूर के अपरिचितों को अधिक मह□व दिया जाए।

घर की मुर्गी दाल बराबर– सहज सुलभ वस्तु का कोई

आदत प्रकृति बन जाती है।
Habit is the second nature.
आधी छोड़ सारी को धावे, आधी रहे न सारी पावे।
He who grasps all things will lose all.
आज ऐसा □यों करें कि कल पछताना पड़े।
Do not do today what you will repent tomorrow.
आया न घाव वैद्य बुलाओ।
Call not a surgeon, before you are hurt.
आम के आम गुठली के दाम।
Earth's joys and heaven's combined.

By this time- अब तक
Times gone by- प्राचीन समय
To take by the button- रोक लेना
To touch the button-

उर्दू/ हिन्दी

किर्म– कीड़ा, कीट, कृमि
कियास– विचार, खयाल, अंदाजा
किर्द– बंदर, वानर, कपि, शाखामृग
कियासत– दक्षता, निपुणता, चातुरी

अनेकार्थक शब्द

कल्याण– शिव, मंगल, शुभ, भला
कोष– भंडार, निधि, खजाना, आकर
कृष्ण– माधव, मुकुन्द, गोपीनाथ, दामोदर
कोयल– कोकिला, पिक, श्यामा, कलापी
कल्पवृक्ष– देववृक्ष, पारिजात, मंदार, कल्पद्रुम

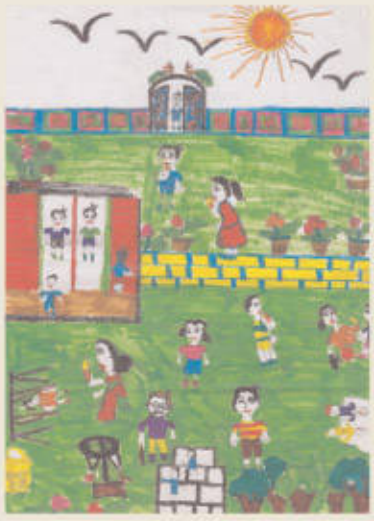

अभिषेक श्रीवास्तव
सिंहपुर, शहडोल (म.प्र.)

प्रियंका पोसवाल
खेतड़ी नगर, झुंझुनूं (राज.)

तमन्ना
अम्बाला कैंट (हरियाणा)

पेंटब्रश

लिटिल स्टार

बाल मंच

अपने अभिनय के दम पर लोकप्रिय हो चुके बाल कलाकार का नाम है देव जोशी। सीरियल 'बालबीर' में वह टाइटल रोल में खूब वाहवाही लूट रहा है। इस धारावाहिक ने उसे घर-घर तक पहुंचा दिया है। वह कहता है, 'बालवीर बच्चों को ईमानदार, निडर और सच्चाई की शिक्षा देता है। बहादुर बच्चा बनने के लिए सदाचार गुण बड़े काम आते हैं। मनोरंजन के माध्यम से बाल वर्ग तक अच्छाई का परिचय पहुंचाया जाना बहुत श्रेष्ठ है। मैं और मेरा अभिनय सब को पसंद आ रहे हैं।'

देव जोशी को छोटी उम्र से ही एक्टिंग-डांसिंग का शौक रहा है। उसके शौक को माताजी ने बढ़ाया। स्कूल के साथ एक्टिंग क्लासेज जारी रहीं। यहीं से मॉडलिंग के प्रस्ताव आने लगे। गुजराती सीरियल और फिल्मों में अभिनय का असवर मिलने लगा। क्षेत्रीय फिल्मों में काम करने से उसमें आत्मविश्वास पैदा हुआ और उसने हिन्दी भाषी सीरियल की ओर रुख किया। वह कहता है, 'हिन्दी सीरियल देश-दुनिया में देखे जाते हैं। जब मुझे इस बात का ज्ञान हुआ तो हिन्दी सीरियल में भाग्य आजमाने का प्रयास शुरू किया।'

देव जोशी

'बालवीर' सीरियल में उसने दो सौ कड़ियों में अभिनय कर इतिहास रच दिया है। उसकी फेन मेल बता रही है कि वह इस समय लोकप्रिय लिटिल स्टार बन चुका है। पूरी की पूरी कहानी उसी पर केंद्रित होने का अर्थ है, उसे दर्शक चाहने लगे हैं। मुंबई में कई मंचों पर उसे बुलाया जाता है। वह कहता है, 'मेरी कामयाबी में 'बालवीर' के निर्माता-निर्देशक, लेखक, कैमरामैन सहित पूरी यूनिट का सहयोग है। उनके बिना मेरा कोई वजूद ही संभव नहीं दिखता। माता-पिता और टीचर्स का आशीर्वाद बहुत काम आ रहा है।'

देव जोशी इस समय कक्षा सात में पढ़ रहा है। वह पढ़ाई में बहुत अच्छा है। अस्सी प्रतिशत अंक प्राप्त करता आ रहा है। शूटिंग के लिए स्कूल कभी भी नहीं छोड़ता। स्कूल की हर सांस्कृतिक, खेलकूद, वाद-विवाद गतिविधियों में हमेशा भाग लेता है। सैट पर अपना स्कूल बैग इसलिए साथ रखता है, ताकि समय मिलते ही पढ़ाई-लिखाई कर सके। उसे भोजन में हरी पत्तेदार सब्जी, सलाद और फल पसंद हैं। बाल पत्रिकाएं पढ़ने का उसे बेहद शौक है।

-राजू कादरी रियाज

मेरी प्यारी मां

भगवान का रूप मां
सर्दी की धूप मां।
जगत की माया मां
धूप में छाया मां।
गंगा की धारा मां
चांद और सितारा मां।
फूलों पे शबनम मां
बसंत का मौसम मां।
पावन एहसास है मां
सुखद विश्वास है मां।
धरती पर अवतार है मां
हम पूजा करते वो है मां।

-हिमांशी वैष्णव, बालोतरा (राज.)

सर्दी की धूप

मेरे आंगन में आ जाओ
प्यारी-प्यारी हल्की-हल्की धूप।
हम सब सर्दी में ठिठुर रहे हैं
ठिठुर रहे हैं, आंगन के फूल।
गर्मी में तो तुम आ जाती हो
तुम बहाती हो हमारा पसीना।
आंगन हमारा तप जाता है
मुरझा जाते फूल-पौधे।
सर्दी में ही तुम कम क्यों आती हो
हमारे आंगन-बगीचे में?
हमारे आंगन में आ जाओ
प्यारी-प्यारी हल्की धूप।

-अमन मिश्र, जयपुर (राज.)

हिन्दी वर्ग पहेली

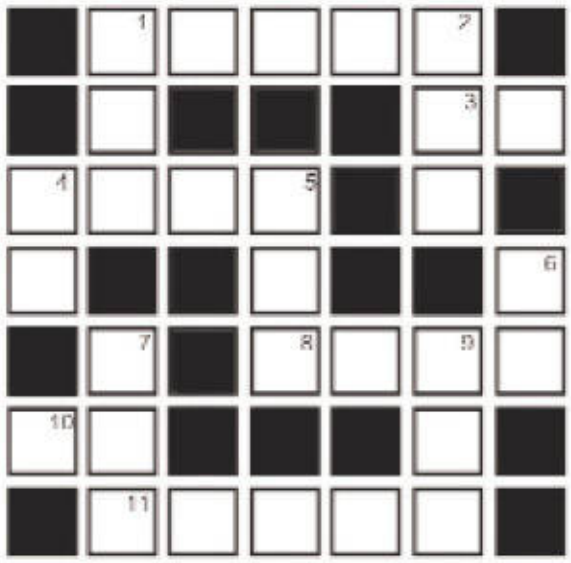

बाएं से दाएं

क. मिलकर काम न करना या स□ा का साथ नहीं देना (भ)।

फ. नटवर लाल भारत का मशहूर.....था (ख)।

ब. विलाप करना या दुख उठाना यह भी कहलाता है (ब)।

त. कैंची से काटना, टुकड़े करना (ब)।

क. उपज बढ़ाने के लिए खेतों में डालते हैं, इसे (ख)।

क्क. छपपटाना या बेचैनी होना (भ)।

ऊपर से नीचे

क. जो स्वाभाविक हो, सही, विशुद्ध (फ)।

ख बनावट, रचना, अंगों का कसाव (फ)।

ब. जंजीर की लड़ी का एक छल्ला, गीत का एक भाग (ख)।

भ. जो अपवित्र या शुद्ध हो (फ)।

म. पलटन, सिपाहियों का जत्था (ख)।

स्त्र. बोलने वाला, बजाने

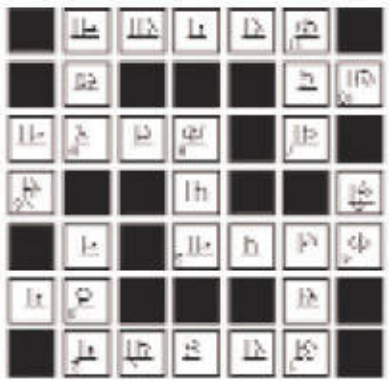

English Crossword

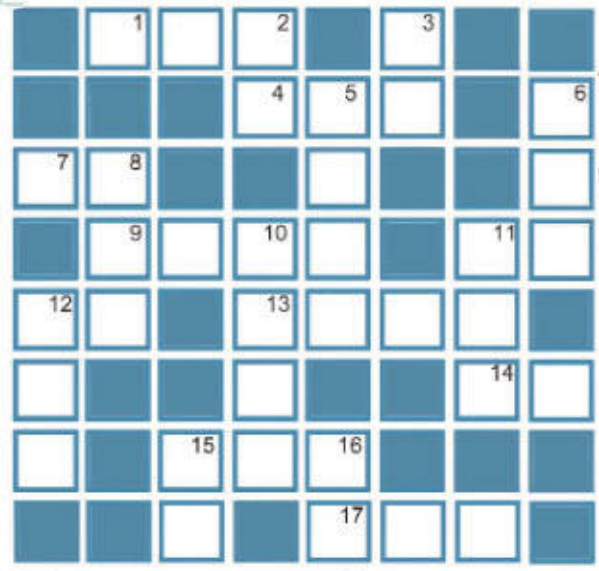

ACROSS

1. Make an attempt or effort to do something (3).
4. A kind of large deer (3).
7. Expressing the relationship between a part and a whole (2).
9. Extend of surface region (4).
11.On high (2).
12. In, By, Near, Towards (2).
13. A scheme for detecting (4).
14. Therefore, Thus (2).
15. An expressing joy (3).
17. More than enough (3).

DOWN

2. Nominative plural of 'thou'(2).
3. Great Britain is also knows as... (2).
5. One who tells lies (4).
6. The highest or uppermost point, part, or surface of something (3).
8. Oily substances in animal bodies (3).
10. To engrave on metal plate by hand (4).
11. Abbreviation of uninterruptible power supply (3).
12. The wind (3).
15. In the same degree, While (2).
16. Towards, Near (2)..

Answer

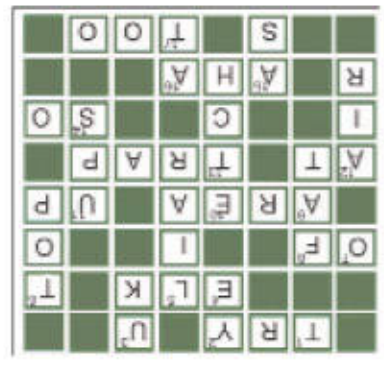

चित्र से चित्र

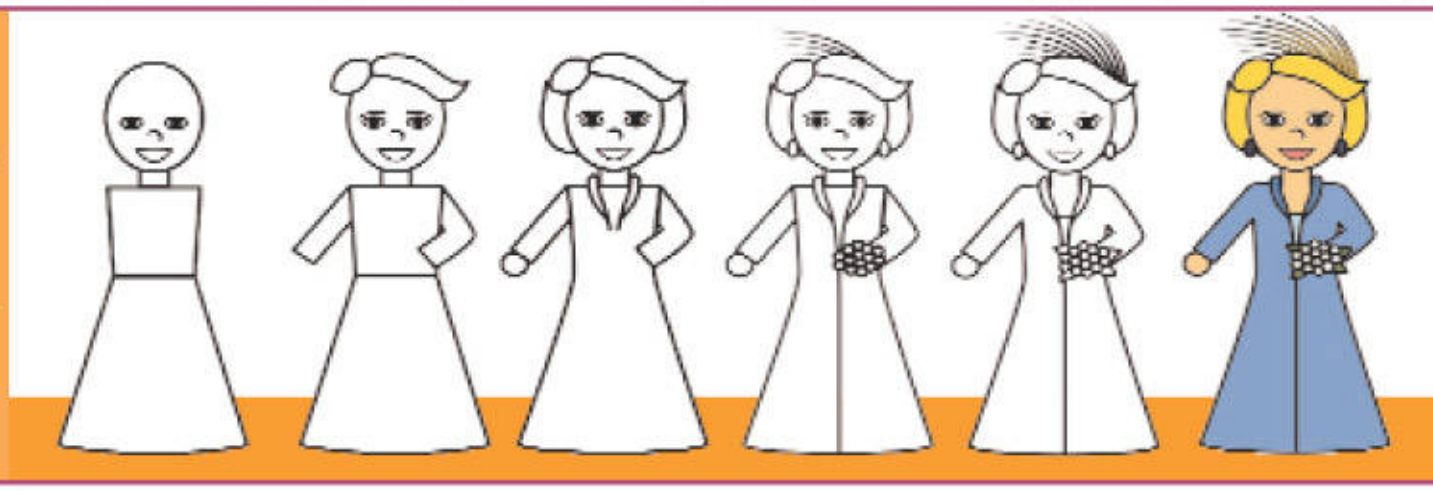

प्रभु का प्रेम

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है, उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।'

तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को यादकर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।'

दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।' देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।'

यह सुनकर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है, जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं, जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन-रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।'

सीख सुहानी

काम आया काम

फिलीपींस में एक इंजीनियर एक बांध के निर्माण में पूरी लगन और ईमानदारी से जुटा हुआ था। वहां मौजूद अन्य कर्मचारी भी इस बात को महसूस कर रहे थे। वे अक्सर उसके काम करने के तरीके के बारे में बातें करते रहते थे। एक दिन यह खबर फिलीपींस के तत्कालीन राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे तक पहुंची, कि उपयुक्त सामग्री विदेश से सही समय पर नहीं पहुंच पायी। इसके बावजूद एक इंजीनियर पूरे समर्पण के साथ बांध को निश्चित अवधि में पूरा करने में लगा हुआ है।

वह दिन-रात वहां रहकर स्वयं बांध के निर्माण कार्य में लगा हुआ है। यह सुनकर एक दिन राष्ट्रपति बांध देखने निर्माण-स्थल पर जा पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि सचमुच निर्माण कार्य अत्यन्त तेजी व सक्षमता से हो रहा है और मुख्य इंजीनियर खुद सामान्य मजदूर की भांति काम में सक्रिय है।

विदेश से समय पर पंप न पहुंच सकने के कारण पुराने अमेरिकी डीजल ट्रकों का प्रयोग करते देखकर राष्ट्रपति अत्यन्त प्रसन्न हुए। उन्होंने इंजीनियर को बुलाया और बोले, 'पंपों की जगह आप डीजल ट्रकों का प्रयोग कर रहे हैं...। कहीं इससे कुछ हुआ तो आप जवाबदेही लेंगे?'

इंजीनियर ने बिना किसी संकोच के कहा, 'जी महोदय।' इंजीनियर का मनोबल और उत्साह देखकर राष्ट्रपति गदगद हो गए और बोले, 'अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाओ।' इंजीनियर यह सुनकर हैरत में पड़ गया। उसने डरते-डरते अपना हाथ ऊपर उठा दिया।

राष्ट्रपति मधुर मुस्कान के साथ उसे शाबाशी देते हुए बोले, 'काम के प्रति आपकी लगन, सूझबूझ और वफादारी से प्रभावित होकर मैं आपको निर्माण विभाग के उपसचिव पद की शपथ अभी और यहीं दिलवाता हूं।' इंजीनियर की खुशी का ठिकाना न रहा।

वहां उपस्थित दूसरे कर्मचारियों ने ताली बजाकर राष्ट्रपति के फैसले का समर्थन किया। सबने स्वीकार किया कि उस इंजीनियर को बिल्कुल सही पुरस्कार दिया गया है। निर्माण विभाग के उपसचिव के रूप में उस इंजीनियर ने कई प्रशंसनीय कार्य किये।

कच्चा या पक्का अंडा

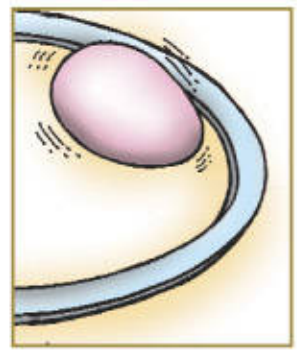

सामग्री- दो अंडे; एक उबला हुआ और दूसरा कच्चा, एक बड़ी सी प्लेट।

शुरू करो- बिना तोड़े अण्डे को सिर्फ देखकर यह बता पाना वास्तव में बहुत मुश्किल काम है कि यह उबला हुआ है या कच्चा है। □योंकि दोनों ही स्थितियों में इसके बाहरी रूप में कोई अंतर नहीं आता। परन्तु विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित बहुत छोटे-छोटे प्रयोग कई बार ऐसी समस्याओं को सुलझाने में बड़ी मह□वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसा ही प्रयोग यहां पर अंडों की वास्तविक स्थिति से अवगत होने के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है।

उबले और कच्चे दोनों ही अंडों को प्लेट में रखकर पहले तो एक-एक करके अपनी अंगुलियों से इन्हें फिरकी की तरह तेजी से नचा दो। इसके बाद ध्यान से देखते रहो। जो अंडा लगातार देर तक नाचता रहे, समझ लो वही उबला हुआ है और दूसरा कच्चा।

अपने नतीजे की पुष्टि के लिए अंडों को पिछली बार की तरह ही एक बार फिर से नचाओ। लेकिन उस बार की तरह इन्हें नाचता हुआ नहीं छोड़ देना है, बल्कि तेजी से नाचते इन दोनों अंडों को अपनी एक-एक अंगुली से एकाएक रोककर तुरन्त ही तु□हें; उनके ऊपर से अपनी अंगुलियां हटा लेनी हैं। इससे जानते हो □या होगा? उबला अंडा रोकने के बाद रुका ही रह जाएगा। जबकि कच्चा वाला दोबारा फिर से कुछ देर के लिए घूमना शुरू कर देगा।

कैसे होता है यह- कच्चे अंडे के अंदर जो कुछ मौजूद रहता है। वह चूंकि तरल रूप में होता है। अत: जड़त्व अधिक होता है। उस उबले अंडे की तुलना में, जिसमें मौजूद द्रव ठोस में बदल चुका है।

यही कारण है, कच्चे अंडे का नाचते हुए जल्दी रुक जाने का। परन्तु जब तुम अपनी अंगुलियां कुछ क्षणों के लिए रोक देते हो तो कच्चे अंडे के अंदर का द्रव घूमना बंद नहीं करता। यही घूमता हुआ द्रव अंडे के ऊपर से अंगुली के हटते ही इसे फिर से घुमाना शुरू कर देता है।

बूझो तो...

1 कहलाता तो हूं मैं चूल्हा
पर अजब है मेरा रूप।
तेल, गैस न लकड़ी मांगूं
मुझे तो चाहिए धूप।

?

2 अंत कटे तो चाव बनूं
मध्य कटे तो चाल।
तीन अक्षर का अन्न हूं
खाओ मुझे उबाल।

?

3 सुबह, दोपहर, शाम को
मैं लोगों को भाती।
सब्जी के संग मेल है
आदि कटे तो पाती।

4 लख से मेरा नाम है
हूं नवाबों का शहर।
राजधानी एक राज्य की
नहीं मैं कोई गैर।

?

5 एक किले के लाख द्वार
नहीं किसी के कोई कपाट
फिर भी कोई घुस न पाए
राजा सोए डाल के खाट।

6 कान नहीं हैं, नाक नहीं है
सीने पर कई दांत।
बिन मुख गाऊं सभी राग मैं
सदा करूं रसीली बात।

7 सूरज-सा मेरा नाम है
उसका ही रूप बनाऊं।
उसकी ओर ही करके मुखड़ा
संग-संग चलता जाऊं।

उ□र

1. चौर चूल्हा 2. चाल 3. चाली 4. लखनऊ 5. अट्ठारहवीं 6. हारमोनियम 7. सूरजमुखी

1.लड़की की चोटी छोटी है।
2. लड़की का हेयर बैंड पतला है।
3. ब्रश दो ही रखे हैं।
4. नीचे बैठी लड़की के चोटी में रिबन बंधा है।
5. टेबल की ड्रॉअर में हेंडिल नहीं है।
6. टेबल पर एक सेब रखा है।
7. नीचे बैठे लड़के के निकर में जेब है।
8. कैलेण्डर में पांच लिखा है।
9. दीवार पर टंगे छुटकु ने शर्ट पहन रखी है।
10. नीचे पड़े कागज के टुकड़े ज्यादा हैं।

उत्तर

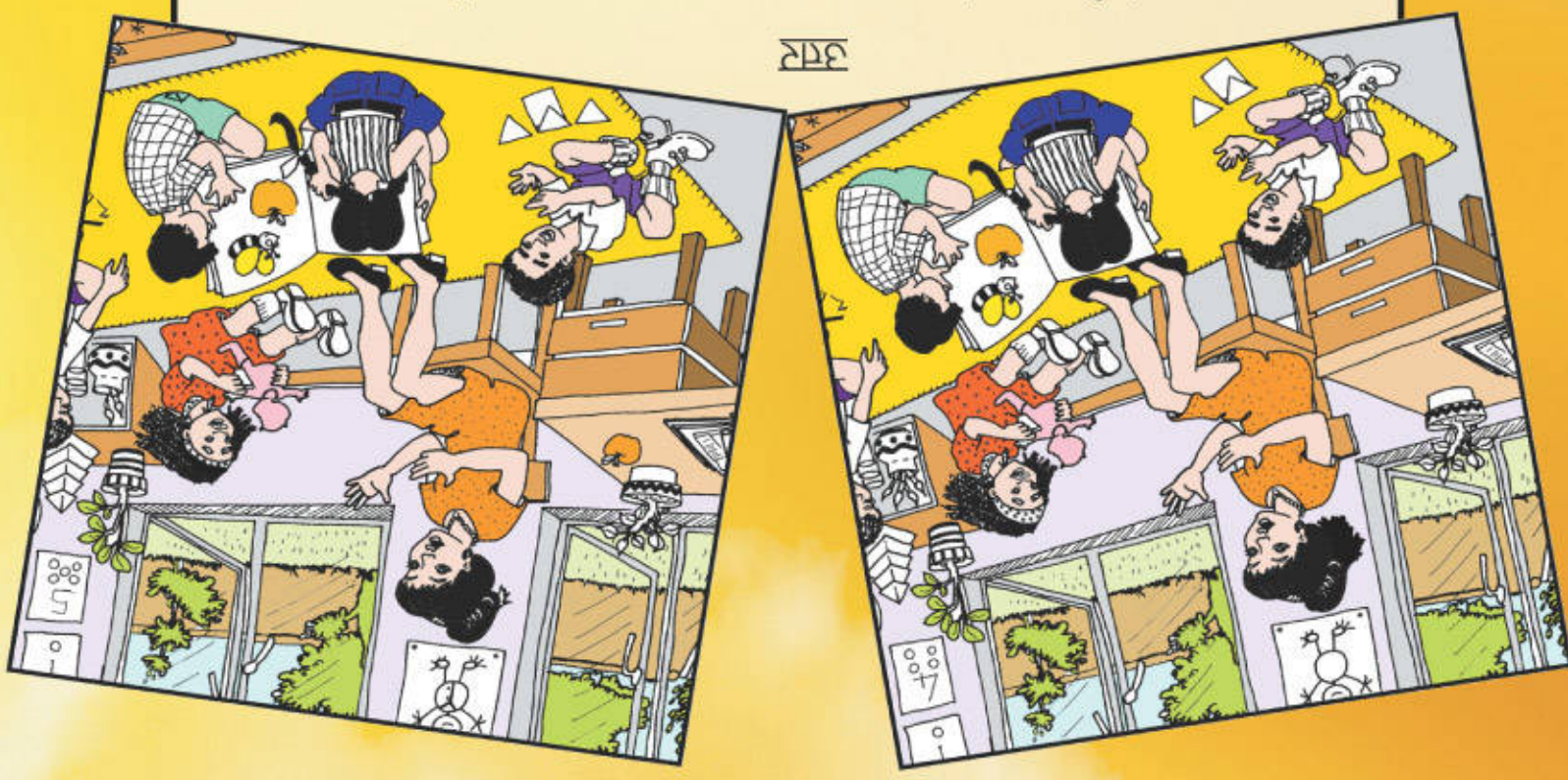

1. चिमटी छोटी है।
2. खिड़की में पर्दा एक तरफ है।
3. सियार का पीछे वाला हाथ नहीं दिख रहा।
4. पीछे झाड़ियां दिखाई दे रही हैं।
5. शर्ट के बटन नहीं हैं।
6. जूते के फीते ज्यादा हैं।
7. बच्ची नीचे की ओर देख रही है।
8. बच्ची ने कान में कुंडल नहीं पहने हुए हैं।
9. महिला की स्कर्ट में प्रिंट है।
10. सियार का एक दांत टूट गया है।

उत्तर

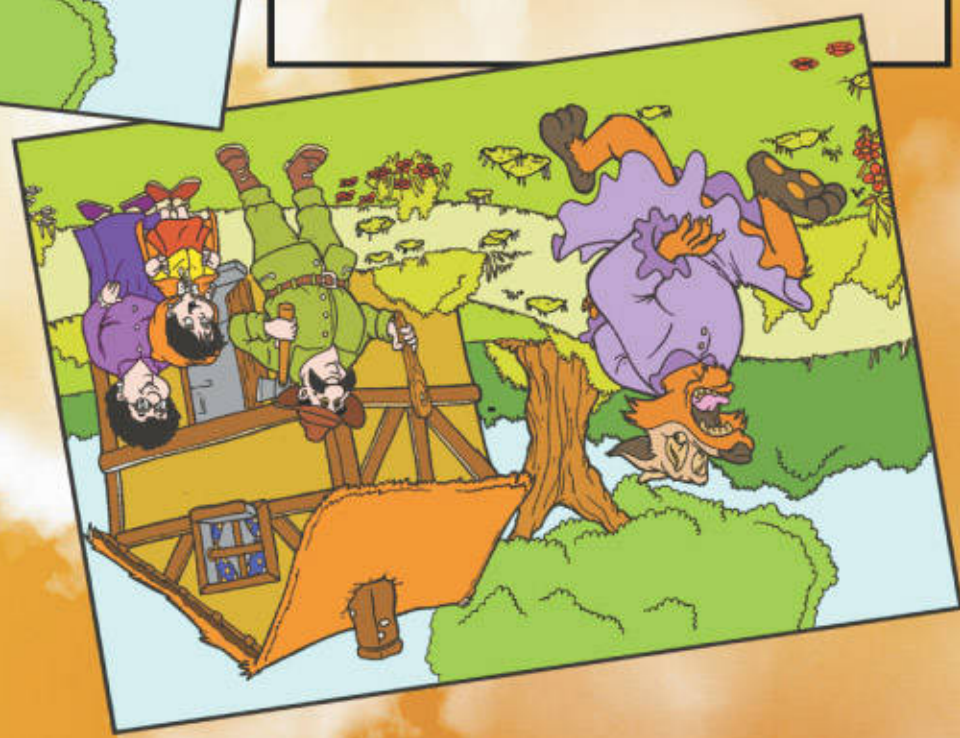

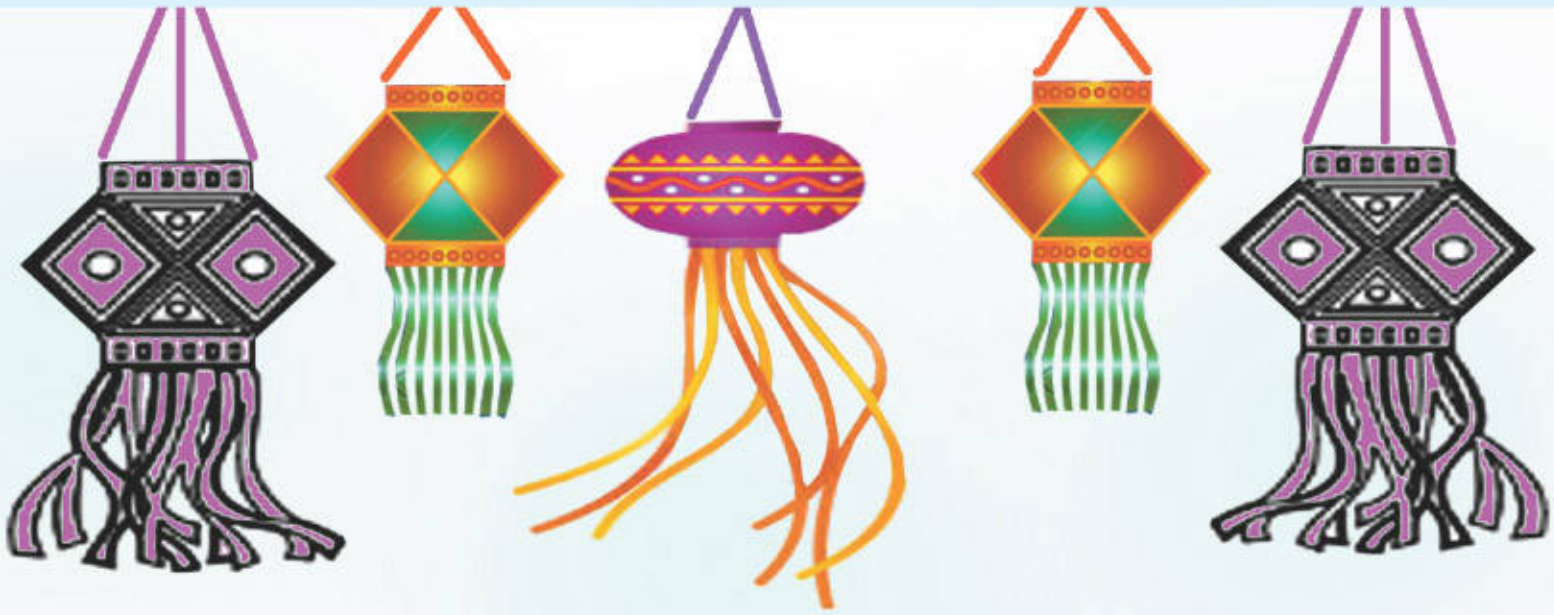

कंदील

- सामग्री–क्राफ्ट पेपर, कॉपी के मोटे गन्ने, कैंची, फेविकोल, साटन रिबन या डोरी।
- विधि–गत्ते की पतली-पतली पट्टियां काट कर उन्हें कंदील के फ्रेम के आकार में बनाकर फेविकोल से चिपका दें। सूख जाने पर ऊपर से क्राफ्ट पेपर चिपका दें। इन पर मनचाहा डिजाइन बना दें। इसी प्रकार गोल कंदील भी बना सकते हैं। जिस आकार का फ्रेम होगा, कंदील उसी आकार का बनेगा। क्राफ्ट पेपर की पतली-पतली पट्टियां काट कर कंदील के नीचे चिपका दें। ऊपर साटन रिबन या डोरी बांधकर घर में या घर के बाहर लटका दें।

बिन्दु से बिन्दु

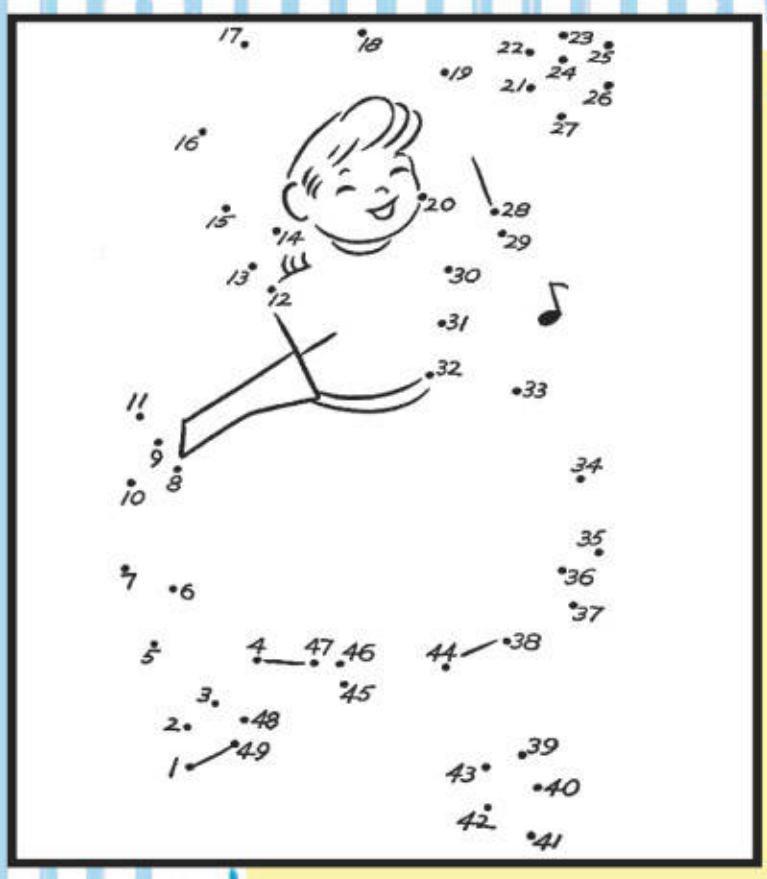

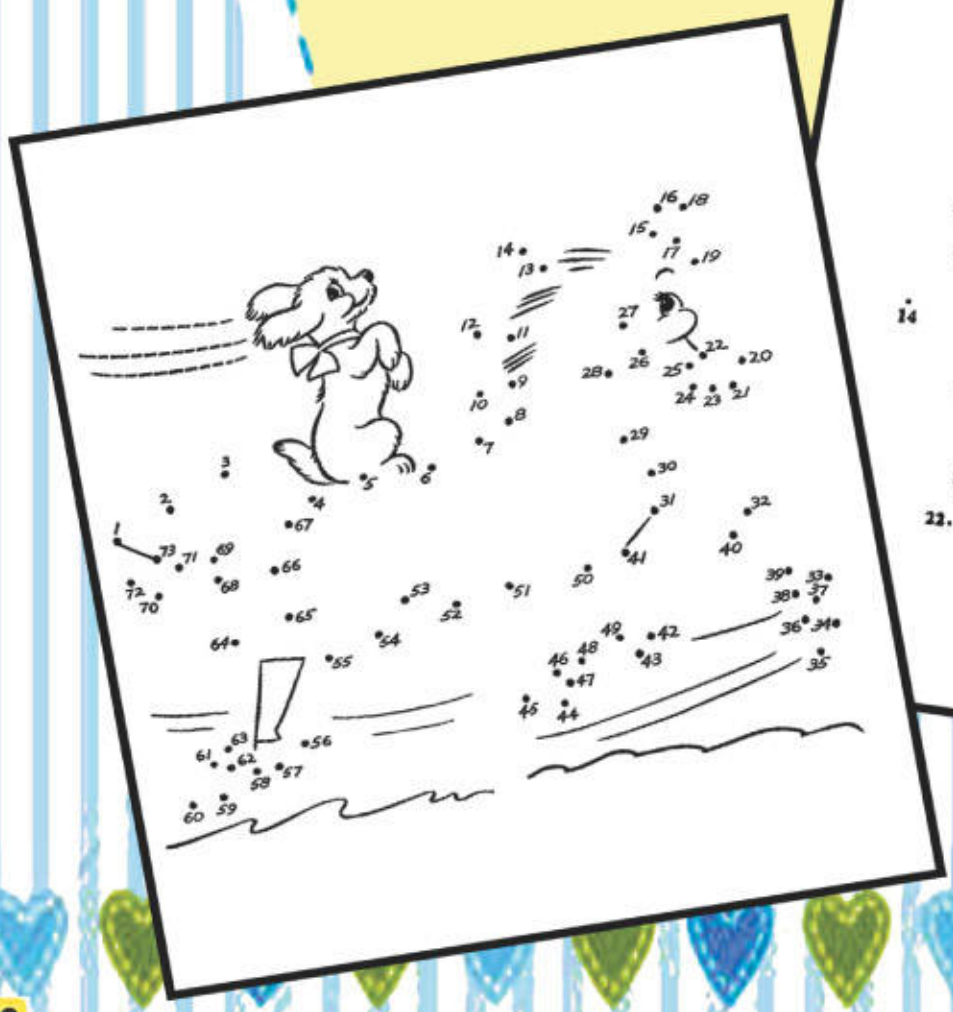

ठिकाना तो — — बताना

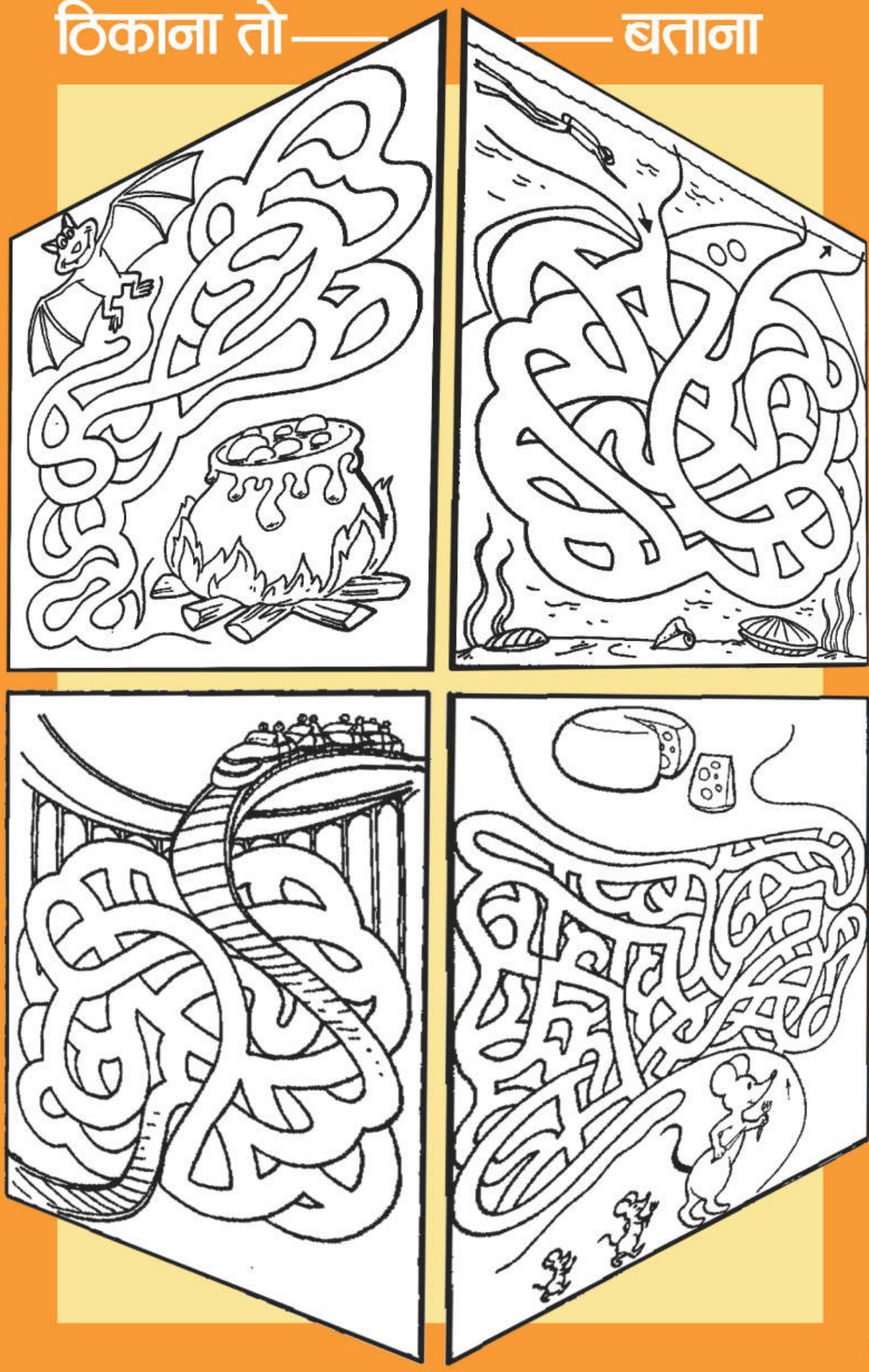

नितेश कुमार जाट
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-रावतसर (राज.)
रुचि-पढ़ना, टीवी देखना।

हितेश मेघवाल
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-सराड़ा, उदयपुर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

ईशु कुमार
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-अलहनपुरा
रुचि-पढ़ना, खेलना।

किरण कुमार
उम्र- क्फ वर्ष
स्थान-सादड़ी, पाली
रुचि-पढ़ना, डांसिंग।

राजेन्द्र कुमार
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-जूनामीठाखेड़ा
रुचि-क□प्यूटिंग,

अभय कुमार
उम्र- क्फ वर्ष
स्थान- भटौली, जौनपुर
रुचि-पढ़ना, खेलना।

आयुषी जैन
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-अचनारा (राज.)
रुचि-पढ़ना, क□पूटिंग।

मो. मिन्हाज अहमद
उम्र-क्ब वर्ष
स्थान-वेलका अमौर
रुचि-समाजसेवा, पढ़ना।

मो. सरफराज आलम
उम्र-क्फ वर्ष
स्थान-खाड़ी बासौला
रुचि-पढ़ना, लिखना।

सत्यम
उम्र- क्ख वर्ष
स्थान-समस्तीपुर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

रेजा अहमद
उम्र- क्फ वर्ष
स्थान-बैसा, रौटा (बिहार)
रुचि-पढ़ना, देश सेवा।

दिव्यांशी डांगा
उम्र- ख्र वर्ष
स्थान-डांगावास,
मेड़तासिटी

गुंचा यासमीन
उम्र- क वर्ष
स्थान-मौजे, र□सौल
रुचि-पढ़ना, खेलना।

संजय कुमार पटेल
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-राजरूपपुर, इलाहाबाद
रुचि-क□प्यूटिंग, पढ़ना।

आशना वधवा
उम्र- म वर्ष
स्थान-गजसिंहपुर (राज.)
रुचि-पेंटिंग, कॉर्टून।

पुरुषो□ाम छापरवाल
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-नि□बाहेड़ा
(राज.)

दिनेश कुमार पटेल
उम्र- क वर्ष
स्थान-कालिंदीपुरम्,
इलाहाबाद

लक्ष्मण हे□ब्रम
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-समस्तीपुर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

नितिन पाण्डेय
उम्र- क्प वर्ष
स्थान- गौरामाफी, प्रतापगढ़
रुचि-क्रिकेट, बालहंस

राशि शर्मा
उम्र- स्त्र वर्ष
स्थान-कल्याणपुर,
कानपुर
रुचि-पेंटिंग, पढ़ना।

मोनू कुमार
उम्र-क्ब वर्ष
स्थान-झाला, लखीमपुर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

हृषिकेश कुमार
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-समस्तीपुर
रुचि-पेंटिंग, पढ़ना।

एकता तिवारी
उम्र- क वर्ष
स्थान-रामगढ़, महवा
रुचि-टीवी, पढ़ना।

राहुल देवपाल
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-बाड़मेर (राज.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

ज्ञान प्रकाश पटेल
उम्र-क वर्ष
स्थान- मेंजा, जौनपुर
रुचि-पढ़ना, टी.वी.।

दीपक कुमार पटेल
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-मीरपुर करौदी,
रुचि-पढ़ना, खेलना।

मो. जिशान अली
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-बायसी, पूर्णिया
रुचि-क्रिकेट, पढ़ना।

अश्वनी वर्मा
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-सूरांवाली
रुचि-पढ़ना, खेलना।

मो. बदरुद्दीन
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-चुनार, मिर्जापुर
रुचि-क्रिकेट, पढ़ना।

आदित्य जैन
उम्र- क्ख वर्ष
स्थान-अचनारा (राज.)
रुचि-पढ़ना,क□प्यूटिंग।

गोपाल लाल माली
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-बोरदा, चि□ौड़गढ़
रुचि-पढ़ना, लिखना।

असफाक हुसैन
उम्र-क्ब वर्ष
स्थान-कु□हारी, नागौर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

किड्स क्लब में भाग लेने के लिए बच्चे अपना नाम, उम्र, पता, रुचि साफ-साफ अक्षरों में लिखकर भेजें। साथ ही फोटो के पीछे भी अपना नाम जरूर लिखें।

गैलापैगोस द्वीप, जो जन्नत से कम नहीं

डारविन के विकास सिद्धांत की प्रेरणा रहे गैलापैगोस द्वीप एक जीती-जागती प्रयोगशाला है। यह एक ऐसी भूगर्भीय जगह है, जिसने वनस्पति और जंतुओं की कई प्रजातियों को जीवन दिया है और उन्हें मरते हुए भी देखा है।

प्रशांत क्षेत्र की व्यापकता में यह अपनी तरह का इकलौता क्षेत्र है। ज्वालामुखियों की बहुलता वाले इस द्वीप पर वनस्पतियों और जंतुओं की कई शानदार प्रजातियां निवास करती हैं। इस द्वीप पर मौजूद असाधारण वनस्पतियों और जंतुओं ने करीब ख वर्ष पहले यहां पहुंचे डारविन को काफी आकर्षित किया था। यह द्वीप दक्षिण अमेरिका के तटीय इलाके से म मील दूरी पर स्थित है और भूमध्य रेखा के दोनों ओर फैला हुआ है।

जंगली जीवन

गैलापैगोस द्वीप में विशाल कछुए रहते हैं। इन्हीं असाधारण जीवों के नाम पर इस द्वीप का नाम रखा गया है। स्पेनिष भाशा में गैलापैगोस का मतलब कछुआ होता है। एक विशालकाय

कछुए का वजन ख्ब किलोग्राम तक हो सकता है। इन कछुओं का जीवनकाल क वर्ष या इससे अधिक होता है और यही बात इन्हें कशेरुकी जंतुओं में सबसे ज्यादा जीने वाला जंतु बनाती है।

समुद्र में तैरने वाली काली छिपकली अपनी नाक से नमक थूकती है। लंबी दूरी तक उड़ान भरने में माहिर एलबैट्रॉस पक्षी अपना अधिकतर जीवन उड़ते हुए बिताता है। लेकिन हर वर्ष यह प्रजनन और अपने बच्चे को बड़ा करने के लिए कहीं रुकता है। वह जगह है गैलापैगोस।

इन द्वीपों पर सबसे पहले पहुंचने वाली जंतु थीं- मकड़ियां। आज गैलापैगोस द्वीप पर मकड़ियों की करीब क्ब विभिन्न प्रजातियां मौजूद हैं। इस द्वीप पर मौजूद प्रमुख पॉलिनेटर हैं कारपेंटर मधुमक्खियां, और पौधों ने भी खुद को इसी अनुसार ढाल लिया है। गैलापैगोस द्वीप पर करीब करीब सभी फूल सफेद या पीले रंग के हैं। कारपेंटर मधुमक्खी इन्हीं दो रंगों के फूलों को तरजीह देती है, इसलिए किसी अन्य रंग के फूल होने का कोई फायदा नहीं है!

गैलापैगोस द्वीप के इतिहास में किसी समय करीब म मील दूर से एक इगुआना समुद्र की लहरों पर सवार होकर यहां आई

द्वीप

आज यहां क्म प्रमुख द्वीप हैं और उनमें से सभी ज्वालामुखी हैं। इनमें से ज्यादातर अब विलुप्त हो चुके हैं और सबसे पुराने द्वीप अब टूटकर समुद्र में समा रहे हैं। यहां का सबसे बड़ा द्वीप इसाबेला है। द्वीपों के समूह के बीचोंबीच स्थित इस द्वीप का आकार विचित्र रूप से समुद्री घोड़े जैसा है। इसकी वजह है कि इसका विकास म अलग ज्वालामुखियों से हुआ है, जो धीरे धीरे एक साथ आए और मिलकर एक महान द्वीप बनाया। सबसे सुदूर द्वीप है, एलसीडो। इसका व्यापक क्रेटर चार मील लंबा है। इसकी बड़ी चहारदीवारों में से अभी तक ज्वालामुखी गैसों का धुआं व भाप निकल रही है। यही बातें इसे गैलापैगोस द्वीप का सबसे एकाकी द्वीप बनाती हैं। इस समूह का सबसे युवा द्वीप है फर्नेंडीना। यह महज भ हजार वर्ष पहले ही समुद्र से निकला है और यह

सामुद्रिक जीवन

यहां दुनिया के किसी अन्य हिस्से के मुकाबले भारी संया में स्केलोप्ड हैमरहैड शार्क मौजूद हैं।

लाल होंठ वाली बैटफिश में नीचे की ओर पर होते हैं, जिन्होंने इस मछली को सीलोर पर घूमने में सक्षम बनाने के लिए खुद में बदलाव लाया है।

गैलापैगोस समुद्री रॉबिन चल भी सकता है और अपने शिकारियों को डराने के लिए चमकीले पेटोरल परों को चमकाता है। ट्रंपेट फिश का शरीर इतना लंबा होता है कि इसे देखना बहुत मुश्किल होता है। इसी वजह से यह अपने शिकार तक बड़ी आसानी से पहुंच जाती है। मोला सनफिश करीब तीन मीटर लंबी होती है और यह सतह पर एक करवट लेटने की आदी है। यह बड़ी मात्रा में जैलीफिश खाती है।

नर फ्रिगेट पक्षी की गर्दन से स्कारलेट स्किन का एक पाउच लटका होता है। प्रजनन मौसम के दौरान यह अपने साथी को आकर्षित करने या प्रतिस्पर्धी को डराने के लिए इसे फुला लेता है।

लू-फुटेड पक्षी के पैर शानदार नीले रंग के होते हैं। अपने साथी को लुभाने के लिए इसके शानदार पैर काफी अहमियत रखते हैं।

कोरमोरेंट्स तटीय पक्षी हैं, जो पानी के नीचे उड़ान भरते हैं और वे इस मामले में कई मछलियों को पछाड़ सकते हैं। गैलापैगोस के पेंग्विन की लंबाई सामान्य पेंग्विन के मुकाबले आधी होती है और उन्होंने यहां के अनुसार खुद को ढाल लिया है। वे कई दिन, सप्ताह और महीनों तक भी बिना

नीचे दिये गए सवाल का सही जवाब दें, और एनीमल प्लैनेट से इनाम पाएं।

- गैलापैगोस में पाए जाने वाले कछुओं की अनूठी प्रजाति है ?
  (ए) लैदरबैक कछुए
  (बी) सॉल्टवॉटर कछुए
  (सी) रिवर कछुए
  (डी) पेपरबैक कछुए

Name.....

Address.....

City.....Pin.....Phone.....

Date of birth...../...../ .....

Email id.....

एंट्री फॉर्म को पूरा भरें और इसे इस पते पर भेज दें-

Animal Planet- Balhans Contest
P.O. Box No. 10534, New Delhi- 110 067

गैलापैगोस द्वीपों के बारे में और जानकारी के लिए हर मंगलवार शाम ७ बजे एनीमल प्लेनेट पर गैलापैगोस देखें।

पिछली बार की क्विज 'मछली को पानी में विचरण करने वाले अन्य जीवों से अलग करने वाली मुख्य खूबी क्या है' का जवाब है-

दो चैंबर वाला हृदय

शर्तें : कृपया प्रवेश पत्र में अपने विवरण भरें, सही जवाबों पर निशान लगाएं और ऊपर दिये गए पते पर सामान्य डाक से भेजें। इस प्रतियोगिता के छपने के दस दिन के अंदर डिस्कवरी कयूनिकेशन्स इंडिया (डीसीआईएन) द्वारा प्राप्त सही एंट्रियों में से विजेताओं का चुनाव किया जाएगा। यदि कई एंट्री सही निकलती हैं, तो डीसीआईएन किन्हीं पांच प्रतियोगियों को रैंडम आधार पर चुनेगा और उन्हें विजेता घोषित करेगा। विजेताओं और प्रतियोगिता के नियमों के सिलसिले में डीसीआईएन का फैसला अंतिम और बाध्य होगा। इस प्रतियोगिता से जुड़े सारे नियम जानने के लिए कृपया देखें।

www.discoverychannel.co.in/animalplanet-balhans-contest

रंग दे प्रतियोगिता परिणाम

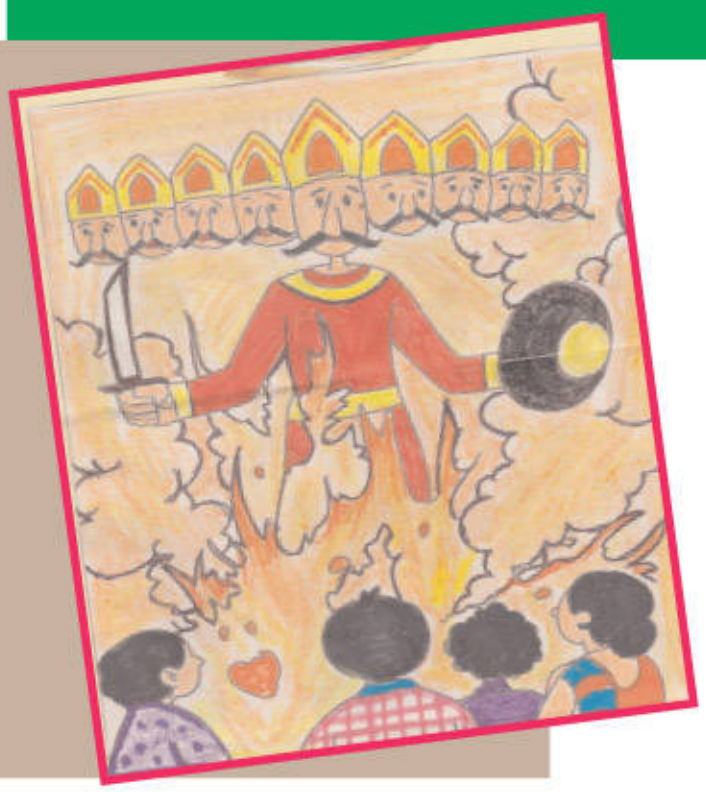

अक्टूबर द्वितीय, 2013

(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)

क. **निशा वर्मा,** शाहपुर, गोरखपुर (उ.प्र.)
ख. **मान्या छाजेड़,** पाली मारवाड़ (राज.)
फ. **पूजा मेहता,** भ□भोरी, जयपुर (राज.)
ब. **आकाश यादव,** अलीगढ़ (उ.प्र.)
भ. **मोहित कोकचा,** जयपुर (राज.)
म. **प्रियांशु छाबड़ा,** बांसवाड़ा (राज.)
स्न. **अस्तित्व शर्मा,** नैनीताल (उ□राखंड)
त्त. **देवेश कुमार शर्मा,** कांवट, सीकर (राज.)
-. **ध्रुव शेखावत,** पाली (राज.)

सराहनीय प्रयास

क. **गर्वित भाटी,** पाली (राज.)
ख. **आरती कंवर,** नारायणपुर (राज.)
फ. **भावेश जैन,** मंदसौर (म.प्र.)
ब. **हनुमान जाखड़,** कवास (राज.)
भ. **आशीष कुमार,** ब□सर (बिहार)
म. **अहमद अली,** छतरगढ़ (राज.)
स्न. **कामना सिंह चौहान,** लहरापुर (उ.प्र.)
त्त. **निमिषा तिवारी,** अजमेर (राज.)
-. **आकांक्षा के. गोयल,** वडोदरा (गुजरात)
क. **कुशाग्र,** अहमदाबाद (गुजरात)
क्क. **रोहित सैनी,** अजीतगढ़ (राज.)
क्ख. **पूर्णिमा तिवारी,** हरदोई (उ.प्र.)
क्फ. **आरजू कुमारी,** समस्तीपुर (बिहार)
क्ब. **लक्षिता मूंदड़ा,** उदयपुर (राज.)
क्भ. **प्रेमसागर,** नूरसाग (बिहार)

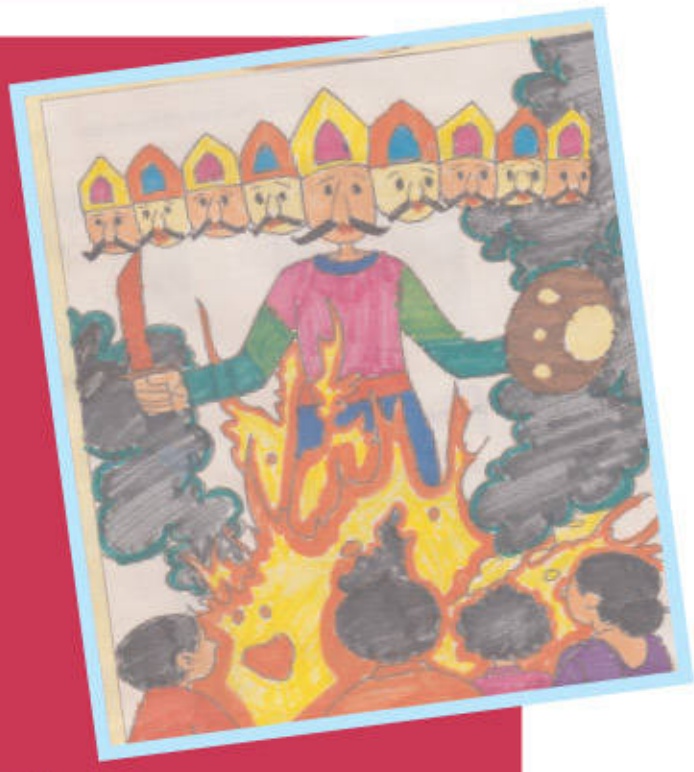

ज्ञान प्रतियोगिता- 336 का परिणाम

क. **आशिका गौड़,** खतौली, मुज□फरपुर
ख. **सुरभि मादरेचा,** राजसमंद
फ. **हरिओम शर्मा,** दांतिल, कोटपूतली, जयपुर
ब. **विजय कुमार व्यास,** बीकानेर
भ. **पुष्पांजलि मिश्रा,** दोरंदा, रांची
म. **वंशिका कुमावत चीनू,** कोटपूतली, जयपुर
स्न. **श्रेया सुमन,** मुज□फरपुर
त्त. **सिद्ध संजय पटेल,** अहमदाबाद
-. **अरुण कुमार पाल,** ग्वालियर
क. **गीता त्रिवेदी,** उदयपुर

ज्ञान प्रतियोगिता- 336 का सही हल

दीपिका पादुकोण,
प्रियंका चौपड़ा,
सोनाक्षी सिन्हा,
विद्या बालन
क. इंद्रजीत
ख. विश्रवा ऋषि
फ. बहन
ब. भाई का
भ. मेघनाद

(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)

ज्ञान प्रतियोगिता

परखो ज्ञान पाओ इनाम

क. निनलिखित में से किस फसल को सफेद सोना कहते हैं ?

(अ) तिल की फसल

(ब) गेहूं की फसल

(स) कपास की फसल

ख. महाद्वीपों का महाद्वीप कौनसे महाद्वीप को कहा जाता है ?

(अ) अंटार्कटिका

(ब) यूरोप

(स) एशिया

फ. विश्व में सबसे बड़ा पक्षी कौनसा है ?

(अ) मोर

(ब) सारस

(स) शुतुरमुर्ग

ब. वर्तमान में विश्व का सबसे ऊंचा पशु कौनसा है ?

(अ) हाथी

(ब) ऊंट

(स) जिराफ

भ. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौनसा है ?

(अ) थार का मरुस्थल

(ब) सहारा का मरुस्थल

(स) गोबी का मरुस्थल

चित्रों में भारत के कुछ प्रसिद्ध मंदिर हैं। नाम बताओ।

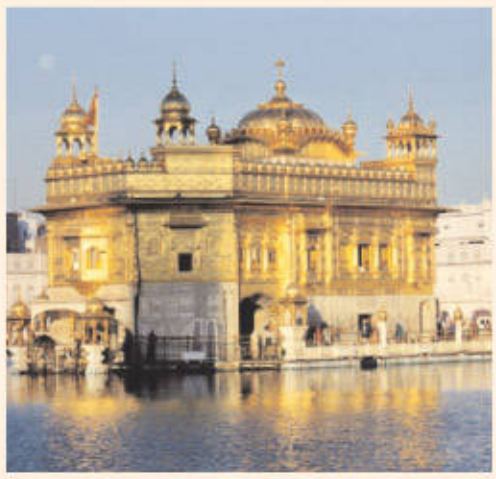

ज्ञान प्रतियोगिता– 339

नाम.....

पता.....

.....पोस्ट.....

जिला.....

राज्य.....

जीतो 1000 रुपए के नकद पुरस्कार

चयनित दस प्रविष्टियों को क- क रुपए (प्रत्येक को सौ रुपए) नकद भेजे जाएंगे।

हमारा पता

बालहंस, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, भ-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राजस्थान)

दूंढो तो.....

नीचे दी गई आकृतियों को ऊपर वाले चित्र में ढूंढ़ना है। इतना करके चित्र में रंग भी तो भरो, देखो कितना मजा आता है!

ई-मैन - 9

प्रस्तुतिः **उन्नी कृष्णन किडनगूर**

अब तक आपने पढ़ा कि रॉय'ज किंग जहाज कीमती हीरे लेकर एमस्टर द्वीप की ओर जा रहा होता है। रास्ते में समुद्री डाकू उसे अपने कब्जे में ले लेते हैं। डाकू जहाज के कप्तान और अन्य कर्मचारियों से मारपीट करके जहाज में लदे हीरों के बारे में पूछते हैं। हीरों के बारे में नहीं बताने पर जहाज के एक कर्मचारी जॉन को डाकू समुद्र में फेंक देते हैं। इस जहाज पर बोनो नामक वीर योद्धा भी होता है, लेकिन वह भी अकेला इन डाकुओं का सामना नहीं कर पाता। आखिर में जहाज को समुद्री डाकुओं से मुक्त कराने के लिए नौसेना की मदद लेने के प्रयास किये जाते हैं। जहाज के बारे में रिपोर्ट तैयार करने के लिए बसु और मीरा को नियुक्त किया जाता है। वे इसके लिए लेक रिसॉर्ट कम्पनी में जानकारी लेने के लिए आते हैं। चित्रकथा में अब आगे...

थोड़ी देर बाद...
हमारा अनुमान सही था...
हमें उस बोनो के बारे में जानकारी जुटानी चाहिए।
लेकिन वो हमें मिलेगा कहां?
हमें उसके बारे जानकारी करनी ही होगी।
GIZO BANK
मैं यहां उतर जाती हूं।
शाम को...
मीरा क्या तुमको कुछ पता चला?
मुझे अभी कुछ नहीं मिला। बैंक और इंश्योरेंस कम्पनियों में उसका पुराना पता ही लिखा है।

कोई तो उसके बारे में जरूर जानता होगा।
मुझे भेष बदल कर उसके बारे में जानकारी करनी चाहिए।
रात में...
हा..हा...! बसु यह तुमने कैसे कपड़े पहन रखे हैं? तुम तो पहचान में ही नहीं आ रहे।
अंकल, यह मेरे काम का हिस्सा है।
नाइट क्लब में एक नया दर्शक आता है।

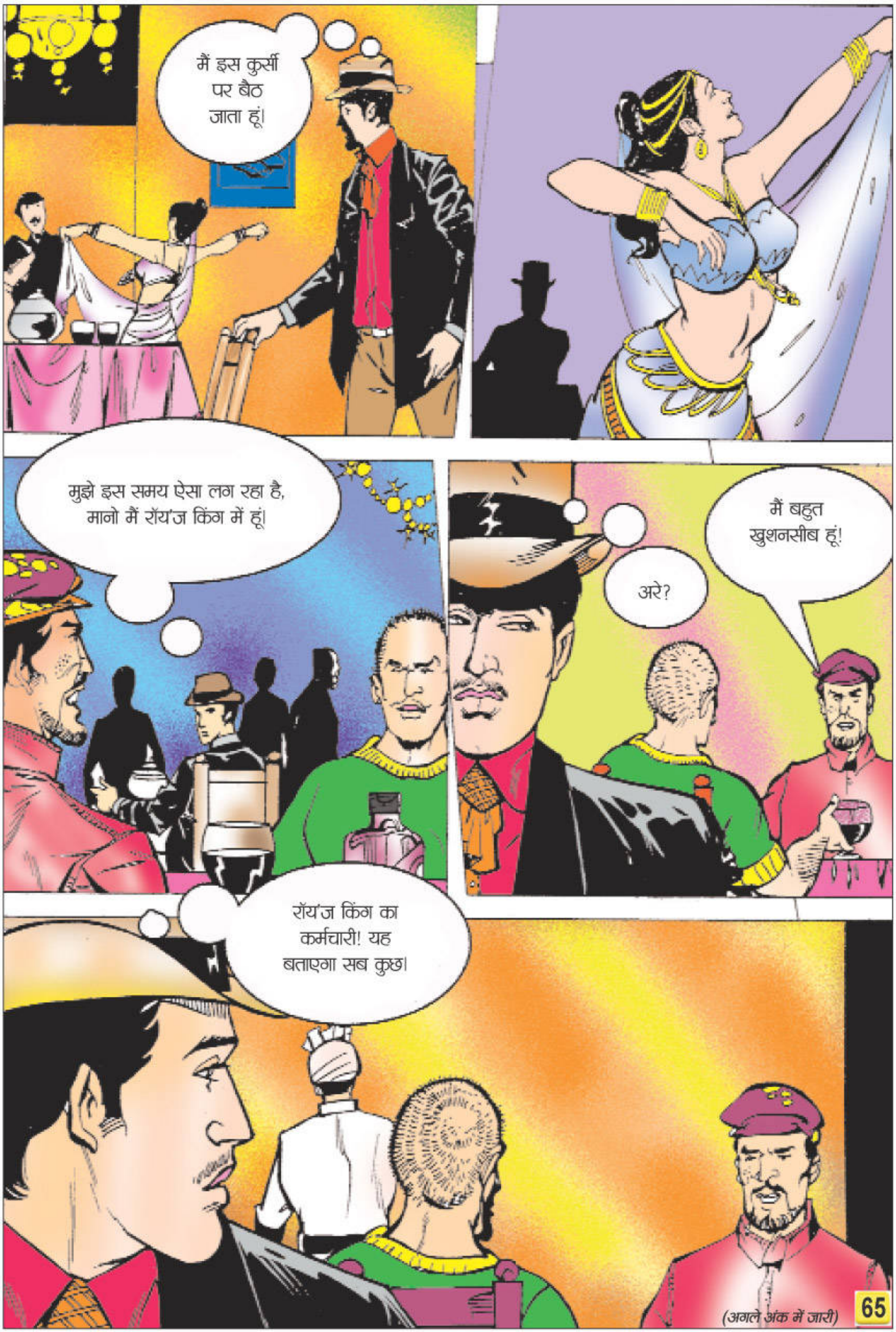
मैं इस कुर्सी पर बैठ जाता हूं।
मुझे इस समय ऐसा लग रहा है, मानो मैं रॉय'ज किंग में हूं।
मैं बहुत खुशनसीब हूं!
अरे?
रॉय'ज किंग का कर्मचारी! यह बताएगा सब कुछ।
(अगले अंक में जारी)

कैसा लगा

मैं बालहंस गत दो वर्षों से पढ़ रही हूं। इसे पढ़ने से मुझे बहुत सी जानकारियां निरन्तर मिलती रहती हैं। बालहंस से हमें शिक्षा के साथ-साथ हमारा भरपूर मनोरंजन भी होता है। कहानियां, गुदगुदी, देश-विदेश की जानकारियां, बूझो तो...सभी कुछ अच्छा लगता है। इस अंक में मुझे कहानी दीयों से है दिवाली, सबके मन की दिवाली, दिवाली की सच्ची खुशी अच्छी लगीं। इसके अलावा चित्रकथा घर-घर दीप जले, चोर को चौकीदारी, कविताएं, बालहंस न्यूज, सैरसपाटा, सरफरनामा मोती का....रोचक और ज्ञानवर्द्धक लगे। इसके पेज-प्रतियोगिताएं बढ़ाएं।

-रागिनी निगम,
कानपुर नगर (उ.प्र.)

मैं बालहंस का नियमित पाठक हूं। मेरा सौभाग्य है कि मेरा परिवार बालहंस पढ़ता है। मेरे जीवन में आज तक ऐसी ज्ञानवर्द्धक एवं रोचक जानकारी वाली मैगजीन न ही देखी है और पढ़ी है।

-मोती लाल वैष्णव,
बालोतरा (राज.)

नव□बर प्रथम, ख्क्प

बालहंस को हमारा सलाम
करता पाठकों का स□मान।
बढ़ता है हमारा यह ज्ञान
देता है सूचनाएं तमाम।
आता पन्द्रह दिन में एक बार
लाता कथाएं-कहानियां हर बार।
पूरे देश में है यह लोकप्रिय
□योंकि हमारा भी है यह प्रिय।

-अंकित चौधरी, नवोदय विद्यालय, सहरसा

I'm regular reader of Balhans since last seven years. I like it very much. It's articals, stories, poems are marvellous. General knowledge and Knowledge bank is really very fine. Please keep it up and best of luck.

-Deep gupta,
Indore (M.P.)

इनके पत्र भी मिले

- **अमृता पाण्डेय,** दिल्ली
- **राधा किशन तेली,** बनेड़ा, भीलवाड़ा
- **मो. वकार,** मेरठ
- **पुनित शर्मा,** जयपुर
- **रविन्द्र गोठवाल,** इन्द्रपुरा, झुंझुनूं
- **मु. आजम,** मुबारकपुर, आजमगढ़
- **किस्तुरा राम,** बाड़मेर
- **मीना जैन,** ऋषभ देव, उदयपुर
- **अंकिता,** सुमेरपुर, पाली
- **राजीव कुमार एकलव्य,** इस्लामपुर
- **मोह□मद अफीफउद्दीन,** समस्तीपुर
- **भावना सुरेश,** टोंक
- **शिवेश निगम,** कानपुर नगर
- **ज्ञानेन्द्र यादव,** पहराजवास
- **विकास ल□बोरिया,** खरसंडी, नोहर
- **नीषा झा,** समस्तीपुर
- **अंशुल सोनी,** सूरजगढ़, झुंझुनूं
- **अरिहंत सेठी,** अजमेर

सब्सक्रिप्शन फॉर्म

बालहंस

ग्राहक का नाम.....

पता (जिस पते पर बालहंस चाहिए)-

नाम.....पता.....

.....

पोस्ट.....जिला.....राज्य.....

कितने समय के लिए- द्वैवार्षिक (480/-रुपए)..... वार्षिक (240/-रुपए) ..... अर्द्धवार्षिक (120/-रुपए).....

ड्राफ्ट संख्या .....मनीऑर्डर संख्या .....

कृपया ग्राहक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की राशि बैंक ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से **बालहंस, जयपुर** के नाम भिजवाएं। ड्राफ्ट के साथ इस फॉर्म को भी संलग्न कर भेज सकते हैं।

सब्सक्रिप्शन व वितरण संबंधी पूछताछ के लिए कृपया फोन नं. 0141-3005825 पर संपर्क करें।

राशि इस पते पर भेजें-

बालहंस (पाक्षिक)
वितरण विभाग
राजस्थान पत्रिका प्रकाशन,
5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,
जयपुर (राजस्थान), पिन- 302 004

.....
ग्राहक का पूरा नाम व हस्ताक्षर

नोटः बालहंस पत्रिका साधारण डाक से भेजी जाती है। डाक अव्यवस्था के कारण अंक न मिल पाने की सूचना एक माह के भीतर दे देवें। अंक उपलब्ध होने पर ही दुबारा भेजा जाएगा। देर से भेजी गई आपत्तियां अस्वीकार होंगी।

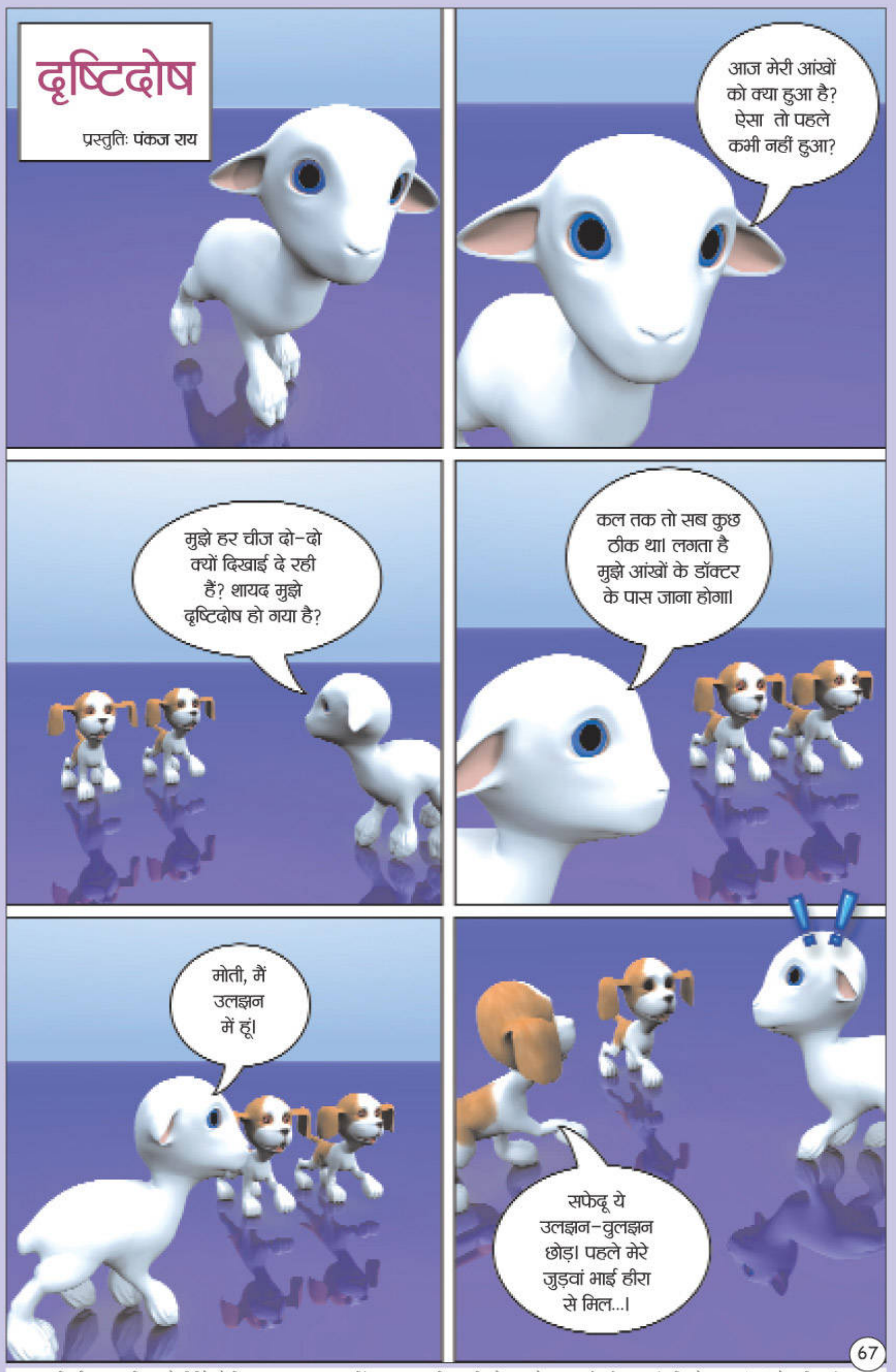

स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशकः रघुनाथ सिंह द्वारा राजस्थान पत्रिका प्रा. लि., केसरगढ़, जे.एल.एन. मार्ग/5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं. 73-74, रीको औद्योगिक क्षेत्र, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. 46292/86, सम्पादकः आनन्द प्रकाश जोशी

PARLE
Kreams
फ़्लेवर्ड सैंडविच बिस्किट्स
नया और पहले से बेहतर
ज़्यादा बड़ा, ज़्यादा क्रीमी, ज़्यादा मज़ेदार
टेस्ट किया क्या?
कुरकुरे, स्वादिष्ट और क्रीम से भरपूर. पारले क्रीम्स आएं
मुंह में पानी लाते 5 फ़्लेवर्स में. तो अब इंतज़ार कैसा?
Kreams
16% EXTRA
CHOCOLATE